



सड़क

subhassaverenews@gmail.com
facebook.com/subhassaverenews
www.subhassavere.news
twitter.com/subhassaverenews

शहर की सुबह

अपमान का
इतना असर
मत होने दो अपने ऊपर
सदा ही
और सबके आगे
कौन सम्मानित रहा है भू पर

मन से ज्यादा
तुम्हें कोई और नहीं जानता
उसी से पूछकर जानते रहो

उचित-अनुचित
क्या-कुछ
हो जाता है तुमसे

हाथ का काम छोड़कर
बैठ मत जाओ
ऐसे गुम-सुम से।

- भवानी प्रसाद मिश्र

प्रसंगवश

पश्चिम बंगाल चुनाव : मतुआ समुदाय की नाराजी बीजेपी को भारी न पड़ जाए?

प्रभाकर मणि तिवारी

एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से नाम कटने के बाद मतुआ समुदाय की नाराजी को लेकर बीजेपी के लिए चिंता बढ़ती दिख रही है। क्या यह असंतोष चुनावी नतीजों पर असर डालेगा?

पश्चिम बंगाल में मतुआ समुदाय को बीजेपी का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। इस तबके के समर्थन से ही पार्टी का चुनावी प्रदर्शन लगातार निखरता रहा है। लेकिन अब एसआईआर की कवायद ने बड़ी तादाद में इस समुदाय के लोगों के नाम कट गए हैं। समुदाय के नेताओं का दावा है कि लगभग 70 प्रतिशत मतुआ परिवार इस एसआईआर की प्रक्रिया से प्रभावित हुए हैं। इससे इन लोगों में भारी नाराजी है।

बीजेपी ने भरोसा दिया था कि नागरिकता कानून के तहत नागरिकता मिलने के बाद उनके नाम मतदाता सूची में बने रहेंगे। लेकिन अब तार्किक विवेक वाले ऐसे मतदाता कम से कम इस बार तो चुनाव में वोट नहीं दे सकेंगे। राजनीतिक हलकों में सवाल उठ रहा है कि क्या इस तबके की नाराजी भाजपा को भारी पड़ेगी। तुणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी भी मतुआ-बहुल इलाकों में अपनी रैलियों में यह मुद्दा उठा रही हैं।

मतुआ महासंघ के मुताबिक, राज्य के विभिन्न जिलों में इस समुदाय की आबादी करीब एक करोड़ से ज्यादा है। यह 294 में से कम से कम 45 सीटों पर निर्णायक स्थिति में है। खासकर कोलकाता से सटे उत्तर 24-परगना जिले के अलावा नदिया जिले के 20 विधानसभा इलाकों में इनकी अहम मौजूदगी है।

मतुआ समुदाय की शुरुआत 1860 में अविभाजित बंगाल में समाज सुधारक हरिचंद ठाकुर ने की थी। समुदाय के लोग उन्हें भगवान विष्णु का अवतार मानते हैं और हरिचंद ठाकुर कहते हैं। 1947 में देश के विभाजन के बाद हरिचंद ठाकुर के परिवार वाले सीमा पार कर पश्चिम बंगाल में बस गए। यहां मतुआ समुदाय का जिम्मा हरिचंद ठाकुर के परपोते प्रथम रंजन ठाकुर ने संभाला और उनकी पत्नी वीणापाणि देवी को ही मतुआ माता या बड़ी मां यानी बड़ी मां कहा जाने लगा। बोरो मां ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान और बाद में बांग्लादेश से आने वाले इस समुदाय के शरणार्थियों के लिए बांग्लादेश सीमा पर पर ठाकुरनगर नाम से एक बस्ती बसाई। वर्ष 2000 के बाद यह समुदाय एक संगठित वोट बैंक के रूप में उभरा।

हरिचंद ठाकुर के परपोते प्रथम रंजन ठाकुर के दौर से ही परिवार का राजनीतिक रसूख और दखल रहा है। वह 1962 में कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा का चुनाव भी जीते थे। बड़े मां मतुआ समुदाय के लोगों के लिए बहुत ही सम्मानित थीं। वह खुद तो राजनीति से दूर रहीं। लेकिन 2010 में उनकी ममता बनर्जी से नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने उसी साल दीदी को मतुआ समुदाय का संरक्षक घोषित कर दिया। 2011 के चुनावों में ममता बनर्जी को इसका जबरदस्त फायदा मिला। मतुआ वोटों पर टीएमसी की पकड़ मजबूत हो गई।

2014 में मतुआ माता के बेटे कपिल कृष्ण ठाकुर टीएमसी के टिकट पर लोकसभा पहुंच गए। उनकी मौत के बाद उपचुनाव में टीएमसी ने उनकी पत्नी

ममता बाला ठाकुर को टिकट दिया और उन्होंने जीत हासिल की। लेकिन बाद में बीजेपी ने इस वोट बैंक में संघ लगाई और इसी परिवार के शांतनु ठाकुर को टिकट दिया, जो वर्ष 2019 में जीत कर संसद पहुंचे।

शुरुआत में मतुआ समुदाय का झुकाव वाम दलों की ओर था, लेकिन समय के साथ यह बदलता गया। ममता बनर्जी के उभार के बाद यह समुदाय बड़ी संख्या में तुणमूल कांग्रेस के साथ जुड़ गया। 2011 और 2016 के चुनावों में तुणमूल कांग्रेस को इसका काफी फायदा मिला। लेकिन 2019 लोकसभा और 2021 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इस वोट बैंक में संघ लगाई। पीएम मोदी ने तुणमूल में बीजेपी ने कई सीटों पर बढ़त बनाई।

भाजपा इस समुदाय को नागरिकता कानून के तहत नागरिकता देने का वादा करती रही है। लेकिन इसकी प्रक्रिया जटिल होने की वजह से अब तक इस समुदाय के ज्यादा लोगों को नागरिकता नहीं मिल सकी है। जरूरी दस्तावेजों के अभाव में अब मतदाता सूची से भी उनके नाम कट गए हैं।

मतुआ नेता और तुणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर ने कहा है कि हम लोग तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से यहां आए थे। केंद्र सरकार ने हमें नागरिकता देने का वादा किया था। लेकिन अब एसआईआर की कवायद ने हमें शरणार्थी से घुसपैठिया बना दिया है।

उत्तर 24-परगना जिले के सीमावर्ती उत्तर पांचपोता गांव में रहने वाली मतुआ आबादी का बड़ा हिस्सा वर्ष 1980 में खुलना (बांग्लादेश) में उत्पीड़न से आजिज

आकर यहाँ पहुंचा था। लेकिन इनमें से दर्जनों लोगों के नाम मतदाता सूची से कट गए हैं।

यहां आने के बाद इन सबके पैस कांड और वोटर कार्ड बन गए। ज्यादातर लोगों के पास आधार कार्ड भी हैं। लेकिन अब एसआईआर ने इन सबको अधर में लटका दिया है।

इसी गांव के प्रणव मंडल का कहना है कि हमें शुरू से ही भरोसा दिया गया था कि एसआईआर के दौरान किसी हिंदू का नाम नहीं कटेगा। लेकिन हकीकत इसके उलट है। अब हम क्या करें, यह समझ नहीं पा रहे हैं। उनका सवाल है कि कल को केंद्र सरकार हमें घुसपैठिया बता कर बांग्लादेश वापस भेजने का प्रयास करे तो हम कहां जाएंगे।

ममता बनर्जी ने इसी दुखती राग महम लगाते हुए कहा है कि बंगाल में कोई डिस्टेंशन कैंप नहीं खुलेगा और वो यहां से एक व्यक्ति को भी बाहर नहीं भेजने देंगी।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मतुआ समुदाय भाजपा का अहम वोट बैंक रहा है। पार्टी उनको नागरिकता देने के वादे करती रही है। नागरिकता कानून ही इसी समुदाय को ध्यान में रखते हुए पारित किया गया था। तब इलाके के लोगों ने बड़े पैमाने पर जश्न मनाया था। लेकिन अब एसआईआर के दौरान बड़े पैमाने पर इस समुदाय के लोगों के नाम कटने की वजह से उनमें भारी नाराजी है। उनकी यह नाराजी भाजपा को भारी पड़ सकती है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सड़क हादसों का 'सोमवार'

● तीन हादसों में 24 लोगों की चली गई जान ● महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा, 11 की मौत

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10.45 बजे मुंबांड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुंबांड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौत पर ही मौत हो गई। मुंबांड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लगा था। कल्याण से मुंबांड के बीच चलती थी वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुंबांड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इसी दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से टक्कर हो गई। राहगीरों ने बताया कि दोनों गाड़ियां स्पीड में थीं। टक्कर भीषण थी।



गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत



सुरेंद्रनगर (एजेंसी)। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। लखतर पुलिस इस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1.30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुवराजी माता मंदिर जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सभी को कुचल दिया। हादसे में छह तीर्थयात्रियों और सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ड्राइवर की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एक श्रद्धालु ने बताया-दत्ता गांव से दर्शन करने के बाद लौट रहे थे।

दूल्हे के पिता समेत 6 बारातियों की मौत

हापुड़ (एजेंसी)। यूपी के हापुड़ में रविवार देर रात 1.30 बजे बारातियों से भरी बस को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में 5 बारातियों समेत 6 की मौत पर मौत हो गई। 7 गंभीर हैं। बारात गाजियाबाद के



उसना से बुलंदशहर के गुलावटी गई थी। बस में कुल 13 बाराती थे। बाकी दूसरी कारों से पीछे आ रहे थे। शहीद के बाद वापस लौटते वक़्त बस रोड किनारे खड़ी थी। रास्ता काफी सकरा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ़्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। ट्रक के बाद रोड की ढलान पर पहले बस पलटी, फिर बेकाबू ट्रक भी उस पर पलट गया। भारी भरकम ट्रक के पलटने पर बस पिचक गई। बस की छत उखड़कर अलग हो गई। बाराती अंदर दब गए। पीछे-पुकार मच गई।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए महत्वपूर्ण निर्णय सिंचाई, सड़क और सेहत पर फोकस, यह बड़े फैसले, जो बदल देंगे प्रदेश की सूरत

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक सोमवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा लोक कल्याणकारी और विकास कार्यों के लिए तकरीबन 19,810 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। मंत्रि-परिषद ने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई परियोजना, महिला बाल विकास के कार्यों, नवीन चिकित्सा महाविद्यालयों तथा कृषि विभाग के प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी है। मोहन सरकार ने प्रदेश में सिंचाई नेटवर्क, सड़क बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और जनता को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए खजाना खोल दिया है। कैबिनेट की बैठक में सोमवार को लगभग 20 हजार करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि को मंजूरी दी गई है।



* 6 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज की मंजूरी,
* सागर में 286 करोड़ की सिंचाई परियोजना
* 12.44 लाख लीटर पहुंचा दुग्ध प्रोडक्शन

के लिए 765 करोड़ रुपये, एन्यूटी भुगतान के लिए 4,564 करोड़ रुपये और म.प्र. सड़क विकास निगम (एन.डी.बी.) बाह्य वित्त परियोजना के लिए 5,322 करोड़ रुपये की स्वीकृति सहित 16वें वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर रखे जाने की स्वीकृति दी गई है। मंत्रि-परिषद द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री पोषण शक्ति और मध्याह्न भोजन सहित विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिए 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतरता के लिए 3,553 करोड़ 35 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन के तहत कृषि यंत्रिकरण को बढ़ावा देने, ग्रामीण युवाओं के माध्यम से कस्ब

10 बड़े और निर्णायक फैसले

- सागर की मिडवासा मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए 286.26 करोड़ रुपये मंजूर
- सड़कों के विकास और रखरखाव के लिए 10,801 करोड़ रुपए स्वीकृत
- सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन के तहत 2,250 करोड़ रुपए मंजूर
- नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए 1,674 करोड़ रुपए की स्वीकृति।
- पोषण शक्ति-मध्याह्न भोजन योजना के लिए 3,55 करोड़ रुपये का बजट
- भोपाल गैस पीडित स्वास्थ्य सेवाएं के लिए 1,005 करोड़ रुपए का अनुमोदन
- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ महिला हेल्पलाइन-181 के लिए 240.42 करोड़ रुपए
- मेहर, मकगंज, पांडुर्गा, धार, इंदौर और झाड़ुआ जिलों में नए केंद्र खुलेंगे
- नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक मशीनों पर सब्सिडी का प्रावधान
- कैबिनेट ने लोक कल्याणकारी योजनाओं को 2031 तक निरंतर चलाने लगाई मुहर

बंगाल में भय का हिसाब भरोसे से चुकता करेगी जनता

● बीरभूम की रैली में बोले अमित शाह, ममता सरकार को घेरा ● माजपा घुसपैठियों को बाहर निकालेगी, ऋष्टाचार का हिसाब लेगी

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को ममता बनर्जी सरकार पर हमले तेज करते हुए कहा कि बंगाल की जनता चुनाव में बम का जवाब बैलेंट और भय का जवाब भरोसे से देने वाली है। बीरभूम जिले के मयूरेश्वर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने दावा किया कि पांच मई को बंगाल में भाजपा की सरकार बनने का आरोप लगाते हुए गृह मंत्री ने समाप्त करने का वादा किया।

चार मई के बाद विकास का नया दौर शुरू होगा- गृह मंत्री ने कहा कि चार मई के बाद बंगाल में भय की जगह विकास का नया दौर शुरू होगा। शाह ने कहा कि टीएमसी ने बीरभूम की घरती को बम व बारूद का ढेर बना दिया है। ऋष्टाचार व गुंडागर्दी में बीरभूम से ज्यादा अनुभव किसको होगा। टीएमसी वालों ने हमारे कार्यकर्ताओं को बहुत परेशान किया है। गृह मंत्री ने चुनाव में हिसा फैलाने की मंशा रखने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि 23 व 29 अप्रैल को मतदान के दिन अपने घरों में ही बंद रहना।

कर्मचारियों ने 50 से ज्यादा फैक्ट्रियों में पथराव किया। तोड़फोड़ की। हाथ में डंडे लेकर सैकड़ों पर कर्मचारी जुलूस निकाल रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक मांगें नहीं मानी जाती, वो रुकेंगे नहीं। सबसे पहले हालात फेज-2 इलाके में खराब हुए। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। पथराव कर दिया। कई गाड़ियों और बसों को आग लगा दी। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो उनकी गाड़ी पलट दी। हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने उन पर पथराव कर दिया। फिर पुलिस ने ऑप्स गैस के गोले छोड़े। सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी। फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों और आसपास के जिलों में फैल गया। कर्मचारियों ने 30 से ज्यादा फैक्ट्रियों और दफ्तरों में तोड़फोड़ की।



नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे फैक्ट्री कर्मचारियों का प्रदर्शन सोमवार सुबह हिंसक हो गया। अलग-अलग इलाकों में गुस्साए

अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील बनाए रखने की अपील कर रहा है। कर्मचारियों को समझाने की कोशिशें की जा रही हैं। नोएडा डीएम मेधा रुपम ने कहा- अफवाहों पर ध्यान न दें। कपिनियों के साथ बैठक में अहम फैसले लिए जाएंगे हैं। वर्कलैस पर यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति गठित की जाएगी। इसकी अध्यक्ष महिला ही होगी। शिकायत पेटियां रखी जाएंगी। कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा। हर महीने की 10 तारीख तक वेतन का एक मुश्त भुगतान कर दिया जाएगा। वेतन पूर्वी अनिवार्य रूप से दी जाएगी।

अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील

प्रशासन कर्मचारियों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है। कर्मचारियों को समझाने की कोशिशें की जा रही हैं। नोएडा डीएम मेधा रुपम ने कहा- अफवाहों पर ध्यान न दें। कपिनियों के साथ बैठक में अहम फैसले लिए जाएंगे हैं। वर्कलैस पर यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति गठित की जाएगी। इसकी अध्यक्ष महिला ही होगी। शिकायत पेटियां रखी जाएंगी। कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा। हर महीने की 10 तारीख तक वेतन का एक मुश्त भुगतान कर दिया जाएगा। वेतन पूर्वी अनिवार्य रूप से दी जाएगी।



नारी शक्ति वंदन अधिनियम से मैं भी कर सकती हूँ, की भावना सशक्त होगी

नीतू तिवारी

(मनोविज्ञानी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मोपाल)

नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज की संरचना में एक गहरा बदलाव लाने वाला कदम है। इसके वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं को हम इस प्रकार देख सकते हैं-

वैज्ञानिक एवं तार्किक पहलू

यद्यपि यह एक कानूनी अधिनियम है, जब निर्णय लेने के लिए महिलाएँ अक्सर समस्याओं को देखने का एक अलग दृष्टिकोण लाती हैं, जिससे नीति निर्माण अधिक सटीक और व्यापक बनता है। महिला प्रतिनिधि बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में निवेश को प्राथमिकता देती हैं, जो सीधे तौर पर मानव विकास को प्रभावित करता है।

दक्षता और नवाचार- लैंगिक समावेशिता किसी भी तंत्र की कार्यक्षमता को बढ़ाती है। जब आबादी के 50 प्रतिशत हिस्से को नीति निर्माण में सक्रिय भागीदारी मिलती है, तो देश की बौद्धिक पूंजी का पूर्ण उपयोग होता है।

मनोवैज्ञानिक पहलू

इसका समाज और महिलाओं के मानस पर गहरा प्रभाव पड़ता है-रोल मॉडल जब युवा लड़कियाँ महिलाओं को सत्ता के शीर्ष पदों पर निर्णय लेते हुए देखेंगी, तो उनके भीतर 'आत्म-प्रभावकारिता' बढ़ेगी। यह 'मैं भी कर सकती हूँ' की भावना को जन्म देता है।

रूढ़िवादिता का टूटना- मनोवैज्ञानिक रूप से यह अधिनियम समाज के इस गहरे विश्वास को चुनौती देता है कि 'नेतृत्व केवल पुरुषों का गुण है।' यह सामूहिक अवचेतन नेतृत्व की परिभाषा को बदल देगा।

सशक्तिकरण बनाम प्रतीकात्मकता- यह महिलाओं में सुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना



पैदा करता है। जब उन्हें पता होता है कि कानून बनाने की प्रक्रिया में उनकी अपनी आवाज शामिल है, तो तंत्र के प्रति उनका भरोसा बढ़ता है।

भविष्य में समाज पर प्रभाव

आने वाले समय में इसके दूरगामी परिणाम होंगे: नीतिगत प्राथमिकताओं में बदलाव: भविष्य में

कानून केवल विकास पर केंद्रित न होकर 'संवेदनशील विकास' पर केंद्रित होंगे। स्वास्थ्य, पोषण, और बच्चों की शिक्षा जैसे विषयों पर अधिक बजट और ध्यान केंद्रित होने की संभावना है। अपराध दर में कमी और संवेदनशीलता- पुलिस और न्याय प्रणाली में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और संसद में उनके द्वारा बनाए गए कानून, महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के प्रति समाज का नजरिया बदलेंगे।

आर्थिक सशक्तिकरण- राजनीतिक शक्ति अक्सर आर्थिक अवसरों के द्वार खोलती है। इससे श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे देश की तन्त्र में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पारिवारिक संरचना में बदलाव- घर के भीतर भी सत्ता का संतुलन बदलेगा। जब समाज में महिला की स्थिति 'निर्णायक' की

होगी, तो परिवार के भीतर भी उनके सुझावों और निर्णयों को अधिक सम्मान मिलेगा।

निष्कर्ष-नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के लिए एक (वैचारिक परिवर्तन) की तरह है। यह केवल सीटों का आरक्षण नहीं है, बल्कि भारत के भविष्य को अधिक समावेशी, संवेदनशील और वैज्ञानिक रूप से संतुलित बनाने की एक नींव है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसा वातावरण तैयार करेगा यहाँ योग्यता लिंग की मोहताज नहीं होगी। मेरे ये विचार संकेत मात्र हैं हम इसके विस्तार में जितना जाएंगे भविष्य में उतनी ही नई परिभाषा कर पाएंगे कुल मिलाकर भारतीय संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम या सीधी सरल भाषा में कहें तो हर क्षेत्र में आदि आबादी की भागीदारी से देश का विकास और समृद्धि का यह अभियान नए सोपान लिखेगा और भविष्य के समाज को सशक्त करेगा यहाँ लिंग भेद जैसी कुरीतियों का कोई स्थान नहीं होगा और सभी बराबरी से अपने हक और जिम्मेदारी दोनों का कुशलता पूर्वक निर्वहन कर सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

किसके माथे बिहार का राजपाट! आज होगा तय

● शिवराज की 'पर्ची' से पहले होमवर्क पूरा करने में जुटे दिग्गज

पटना (एजेंसी)। किसके माथे पर बिहार राजपाट लिखा है। शिवराज की पर्ची में किसका नाम है। सिधारी गलियारे में ये दो सवाल तेर रहे हैं। बिहार में सत्ता के समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। नीतिश कुमार के सीएम पद छोड़ने के बाद अब राज्य की कमान भारतीय जनता पार्टी के हाथों में आने वाली है। केंद्रीय नेतृत्व ने दिग्गज नेता शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक तौर नियुक्त किया है। पटना में मंगलवार को भाजपा विधायकों की बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम की औपचारिक घोषणा करेंगे। ये बिहार के इतिहास में पहली बार होगा जब



भाजपा के नेतृत्व में एनडीए सरकार का गठन होगा। इस बड़े बदलाव को लेकर राजधानी पटना में बैठकों का दौर जारी है और सुरक्षा से लेकर प्रशासनिक तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। शिवराज सिंह चौहान करेंगे नए नेता का ऐलान- मंगलवार को पटना में भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। बताया जा रहा है कि दोपहर दो बजे के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान इस बैठक में पर्यवेक्षक की भूमिका में मौजूद होंगे। बंद लिफाफे से उस नाम का खुलासा करेंगे जो बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनेगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार भाजपा का नेता ही एनडीए विधायक दल का नेतृत्व करेगा, जिसके बाद राजभवन में सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। सरकार गठन की कवायद के बीच पटना में उपमुख्यमंत्री स्मार्ट चौधरी का आवास सत्ता का केंद्र बना हुआ है। सोमवार को यहां एनडीए के सीनियर नेताओं की मेरुस्थल बैठक हुई। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने करीब 40 मिनट तक साझा रणनीति पर चर्चा की। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सारवागी भी गठबंधन की बारीकियों को सुलझाने के लिए वहां पहुंचे।

चुनावों के शोर में हम आंखें नहीं मूंद सकते हैं: एससी

● बंगाल एसआईआर मामले में एससी की चुनाव आयोग पर सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सुविधियों के विशेष गहन पुनरीक्षण मामले की सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव नतीजों में तब तक दखल नहीं दिया जा सकता, जब तक कि जीत का अंतर, सूची से बाहर किए गए वोटों की संख्या से कम न हो। जस्टिस जयमात्य बागची और सीजेआई सुर्यकांत की पीठ ने सुनवाई के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि बंगाल के मतदाता अलग-अलग संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं। दरअसल, जस्टिस बागची ने यह टिप्पणी तब की जब चुनाव आयोग ने दलील दी



कि न्यायिक अधिकारियों ने तार्किक विसंगति के 47 फीसदी मामलों को खारिज कर दिया है, ये वे अधिकारी थे जिन्होंने चुनाव आयोग द्वारा जारी नोटिसों पर फेसला सुनाया था। कोर्ट ने यह टिप्पणी भी की कि चुनाव आयोग ने ही पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान संदिग्ध मतदाताओं की एक तार्किक विसंगति सूची बनाई थी। जिसके जवाब में जस्टिस बागची ने कहा, यहां बात यह नहीं है कि साथ-साथ दोनों को सही ठहराता है, बल्कि यह है कि साधन साधु को सही ठहराते हैं। यह राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच लड़ाई नहीं है। यह कोई एक-दूसरे पर दोष मढ़ने का खेल (ब्लेम गेम) भी नहीं है। यह तो मतदाताओं के दो संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिसने का मामला है। अदालतों ने केवल चुनावों को बढ़ावा देने के लिए हस्तक्षेप किया है, न कि उनमें रुकावट डालने के लिए।



नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने एलपीजी जहाज जग विक्रम पर बड़ा अपडेट दिया है। इसके कल 14 अप्रैल यानी मंगलवार को कांडला (गुजरात) पहुंचने की उम्मीद है। इस पर 20,400 टन एलपीजी लदी है।

इसमें 24 नाविक सवार हैं। यह जहाज 11 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा था।

संकट के बीच यह बड़ी राहत की खबर है। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के

खुशखबरी! 20,400 टन एलपीजी आज पहुंचेगी भारत

होर्मुज से निकला जग विक्रम, संकट के बीच बड़ी राहत

अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने सोमवार को इस बारे में पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय ध्वज वाला एलपीजी जहाज 'जग विक्रम' 11 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा।

इस जहाज पर लगभग 20,400 टन एलपीजी लदी है। इसमें 24 नाविक सवार हैं। इसके 14 अप्रैल को कांडला पहुंचने की उम्मीद है। इसके साथ ही मुकेश मंगल ने यह भी कहा कि भारत के सभी बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है। किसी भी तरह की भीड़भाड़ (कंजेशन) की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

हरीश पाठक के उपन्यास 'गाँठें' में दो सदियों के राजनीतिक-सामाजिक संघर्ष की दारस्तान



भोपाल। हिंदी के सुपरिचित कवि और कथाकार डॉ. हरीश पाठक के नए उपन्यास 'गाँठें' भारत के 200 सालों की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति का अभूतपूर्व चित्रण करता है। इसमें परिवारों की संरचना, दत्तक प्रथा, बहुविवाह एवं बालविवाह से उत्पन्न अन्याय, शोषण और संघर्ष की अनवरत दास्तान है।

हिंदी के पाँच प्रख्यात लेखकों ने इस चर्चित उपन्यास पर बातचीत की और कहा कि उपन्यास बहुत बड़ा है और कुछ ज्यादा ही विस्तार में बातें कही गई हैं। फिर भी कहना होगा कि यह उपन्यास हिंदी के कथा साहित्य की अनुपम रचना है। इसका आोजन जनवादी लेखक संघ ने दुर्घट संग्रह में किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी के शीर्ष आलोचक और कवि प्रो. विजय बहदुर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि 1965 से 1967 के दौरान माधव कॉलेज, उज्जैन में हरीश पाठक जब पढ़ते थे, तब मैं शोध कर रहा था। उन्होंने देश, समाज और परिवार के उस वक्त के घटनाक्रम को बड़ी बारीकी से उकेरा है। प्रख्यात कवयित्री और कथाकार प्रो. सविता

भार्गव ने चर्चा की शुरुआत करते हुए उपन्यास का कथानक, घटनाओं, पात्रों का विवरण और एक तरह से उपन्यास की प्रतिक्रिया से प्रस्तुत किया, जिससे श्रोताओं का उपन्यास से पूर्णतः परिचय हो गया। हिंदी के ज्ञानमने आलोचक रामप्रकाश त्रिपाठी ने 'गाँठें' के सामाजिक ताने-बाने को रेखांकित करते हुए इसका समाज शास्त्रीय दृष्टिकोण सामने रखा। सुपरिचित कथाकार शशांक ने उपन्यास के तकनीकी कौशल, कला पक्ष और खासकर इसकी भाषा को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि यह बेहद उल्लेखनीय है। देश के शीर्ष कवि और कथाकार राजेश जोशी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए हरीश पाठक के साहित्य में योगदान की विशेष रूप से चर्चा की। संघ के प्रदेशाध्यक्ष और प्रख्यात लेखक वीरेंद्र जैन ने आभार माना। इस उपन्यास का लोकार्पण केंद्र सरकार के भाषा साहित्य परिषद में देश भर के विद्वानों ने किया था। अंत में प्रख्यात गायिका आशा भोसले और पत्रकार राजेश बादल की माताजी के स्वर्गवास पर श्रद्धांजलि दी गई।

डिंडोरी में वन अधिकार के लिए प्रदर्शन, समिति बनेगी



डिंडोरी। जिले के 86 वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आदिवासियों ने प्रदर्शन कर कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया। इस प्रदर्शन में बैठा समुदाय के वन ग्रामों में बसे करीब पांच हजार लोग शामिल हुए। ज्ञापन के बाद हुई चर्चा में जिला और तहसील स्तर पर महीने में एक बार वन अधिकार समन्वय बैठक हो जिसमें स्थानीय संगठन और विषय विशेषज्ञों से परामर्श की मांग की गई। पिछले वर्ष भी इसे लेकर शांतिपूर्ण धरने और प्रदर्शन हुए हैं। प्रभावित लोगों ने कई बार जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपे हैं। यदि प्रशासन हर बार कि तरह इसे हलके में लिया जाता है तो तो इस बार संगठित रूप से अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा और जिला प्रशासन की जवाबदेही जनता की अदालत में तय की जाएगी। इस मांग के बाद एसडीएम ने ब्लॉक स्तर पर एक समिति बनाने के लिए सहमति दी। इस समिति में प्रशासनिक अधिकारी एवं ग्रामीण प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। समिति के माध्यम से प्रत्येक माह नियमित चर्चा आयोजित की जाएगी। सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के प्रकरणों में समय लगने की बात कही गई है, क्योंकि वर्तमान में बजट उपलब्ध नहीं है। व्यक्तिगत वन अधिकार के अंतर्गत केवल उन प्रकरणों की समीक्षा की जा रही है, जिन्हें वर्ष 2006 से पहले अधिकार प्राप्त हुआ था-उन्हें कितना अधिकार मिला और किन लोगों के प्रकरण छूट गए हैं। वर्तमान में नए दावे स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं, केवल पूर्व प्रकरणों का ही परीक्षण किया जा रहा है।

आज अम्बेडकर जयंती

बाबा साहेब जन्म स्थली स्मारक महु में होगा विशाल समारोह, मुख्यमंत्री विशेष रूप से होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती इंदौर में 14 अप्रैल को पूर्ण आस्था एवं अपार उत्साह के साथ मनाई जाएगी। डॉ. अम्बेडकर नगर महु में स्थित उनकी जन्मस्थली पर बने भव्य स्मारक में विशाल समारोह होगा। श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से इस आयोजन में शामिल होंगे।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अप्रैल को डॉ. अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह पूर्ण उत्साह, उमंग और आस्था के साथ इंदौर जिले के डॉ. अम्बेडकर नगर (महु) में मनाया जा रहा है। जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की मेहमानों की तरह आवभगत की जा रही है। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की गई है। जन्म स्थली पर बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की गई है।

अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह में मध्यप्रदेश सहित अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला 12 अप्रैल की शाम से शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था स्वर्ग मंदिर परिसर में की गई। उक्त भोजन व्यवस्था 14 अप्रैल की शाम तक जारी रहेगी। भंतों के भोजन की व्यवस्था माहेश्वरी स्कूल में की गई है तथा उनके रुकने की व्यवस्था भी माहेश्वरी स्कूल में है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों का निर्माण भी किया गया है। पेयजल व्यवस्था के लिये विभिन्न स्थानों पर प्याऊ का निर्माण किया गया है। अम्बेडकर जयंती के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के रुकने के लिये धर्मशालाओं, केन्ट बोर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल एवं केन्ट बोर्ड कन्या स्कूल में की गई है। इसके अलावा तीन विशाल डेम भी ठहरने के लिए बनाए गए हैं।

अमेरिका-ईरान संधि वार्ता, लौट के वांस अमेरिका आए

जयंती पर विशेष

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक बरिह पत्रकार हैं।



महबली अमेरिका और जुझारू ईरान के दरम्यान अमन-ओ-अमान की वार्ता फेसलाकून साबित नहीं हुई और 21 घंटों में ही उसने दमतोड़ दिया, फलतः उपराष्ट्रपति जेडी वांस अपने सहयोगियों-कुर्रनर और विटकोफ के साथ अमेरिका लौट आये। उन्होंने बेनतीजा वार्ता को अमेरिका के लिये बुरा और ईरान के लिये बहुत बुरा करार दिया, तो यह साफ हो गया कि अमेरिका को शांति की ज्यादा फिक्र नहीं है और उसके मन में ईरान को तबाह करने का मंसूबा सिर

उठाये हुये है। इस्लामाबाद में हुयी शांति वार्ता में वांस की शिरकत से तेहरान को बड़ी उम्मीदें थीं। एक तो वह उदार माने जाते हैं, दूसरे अन्होंने 28 फरवरी से पेशतर हगरी में अपने बयान में ईरान पर धावे की मुखालफत की थी, लेकिन इस्लामाबाद में उनका रवैया अडिगल रहा और वह ट्रंप के सुर में बोलते दिखे। यूं भी आतंकवाद राष्ट्र के फौजी शासक की पहल पर हुई यह वार्ता शुरू से ही आशंका के आवर्त में रही। वार्ता के दरम्यान इस्त्रायल ने दक्षिण लेबनान पर बमबारी जारी रखी और हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम को मार गिराने का दावा किया। उसकी बमबारी से शक्याज में शरीक लोगों समेत करीब डेढ़ हजार लोग हताहत हुये। इस पर तेहरान की

आपत्ति पर तेल अवीव ने डिटाई से उत्तर दिया कि उसका शांति वार्ता से कोई वास्ता नहीं है। इस बीच



अमेरिका ने अपना विमानवाहक युद्धपोत भी होमुज की ओर रवाना किया, जिसे ईरान के ऐराज के बाद खडवट किया गया। इससे जाहिर है कि इस्त्रायल अपना

ग्रेटर इस्त्रायल, जिसमें गाजा, सिनाई, गोलन हाइट्स समेत सीरिया, लेबनान, जॉर्डन, मिश्र आदि के हिस्से शामिल हैं, के मिशन को पूरा करना चाहता है और ट्रंप ईरान को निर्णायक शिकस्त देना चाहते हैं।

तेहरान और वाशिंगटन के बीच झगड़े की जड़ यूरेनियम-संवर्द्धन और होमुज जलडमरूमध्य है। तेहरान परमाणु बम बनाने का इरादा तो छोड़ सकता है, किंतु परमाणु-संवर्द्धन का मिशन नहीं। ऐसे ही वह होमुज स्ट्रेट के हाथ लगे ब्लैक-चेक को भुगाने का मौका भी नहीं छोड़ना चाहेगा। शांति तभी संभव है, जब दोनों पक्ष घुटना टेकने के बजाय घुटने मोड़ने की नीति पर चलें। यह अकारण नहीं है कि न्यूयार्क के मेयर ममदानी ने जंग पर दसियों अरब डालर फूंकने का विरोध किया है, मगर जिद्दी और खन्वी ट्रंप 'मेक अमेरिका ट्रिग ओन' के फ्रेम में ईरान की मुष्कें कसने के लिये कुछ भी कर सकते हैं, लिहाजा शांति की घड़ियां दूर हैं और तबाही सन्निकट।

रैलिंग से झांकते समय बच्चा गिरा

इंदौर। गांधीनगर थाना क्षेत्र 5 साल का बच्चा तीसरी मंजिल से गिर गया। वह बहन के साथ खेलते-खेलते ऊपर पहुंचा था। इस दौरान गैलीरी से झांकते समय हादसे का शिकार हो गया। मृत बच्चे का नाम गौरांश निवासी सिद्धार्थ नगर है। घटना शनिवार दोपहर 3 बजे की है। हादसे के समय बच्चा अपने दादा के साथ घर पर था। कुछ देर के लिए दादा अंदर गए, तभी यह घटना हो गई। बच्चे के पिता की 6 महीने पहले मौत हो चुकी है। उधर, गरीब नवाज कॉलोनी में अंतिमा पति मनीष कौशल (25) ने शनिवार को फांसी लगा ली। मृतक की बहन गायत्री ने बताया कि उसकी शादी एक साल पहले शादी हुई थी। महिला का पति लोडिंग वाहन चलाता है। एरोड्रम पुलिस को मृतक के परिजनों ने बताया कि उसे दहेज नहीं लाने पर पति पीटता था। घटना वाले दिन अंतिमा की ननद का कॉल गायत्री के पास आया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वह दो महीने की गर्भवती थी। 15 दिन पहले भी पति द्वारा पीटाई करने की शिकायत मृतक ने गायत्री को की थी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

एंट्री विवाद को लेकर वलब में मारपीट

इंदौर। शालीमार टाउनशिप स्थित वलब में मैनेजर और स्टाफ के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मैनेजर देवेन्द्र पटेल के अनुसार, वलब में एंट्री के लिए सिंगल का 2000 रुपए और कपल का 3000 रुपए शुल्क तय है। 10 तारीख की रात यश जैन वलब पहुंचा और एंट्री फीस देने से मना कर दिया। इस बात को लेकर उसका स्टाफ से विवाद हो गया। वह बिना भुगतान किए जबनम अंदर घुसा, हंगामा किया और फिर वहां से चला गया। अगले दिन शोम को यश जैन अंदर कुछ साथियों के साथ दोबारा वलब पहुंचा। उसने मैनेजर को बाहर बुलाया और धमकी दी कि वह कभी भी एंट्री चार्ज नहीं देगा। जैसे ही मैनेजर बाहर आए, आरोपी ने उनका कॉलर पकड़ लिया और उसके साथियों ने मिलकर उनकी पीटकर कर दी। घटना के बाद पुलिस ने यश जैन, किशोर सिंह सिकरवार और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच जारी है।

साइबर सेल ने दो

आरोपियों को पकड़ा

इंदौर। साइबर अपराध पर बड़ी कार्रवाई करते हुए स्टेट साइबर सेल जोन ने फर्जी शेयर ट्रेडिंग एप के जरिए करोड़ों की ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पीडित को शेयर मार्केट में अधिक लाभ का झांसा देकर एक करोड़, 16 लाख, 39 लाख 835 रुपए की धोखाधड़ी की गई थी।

घटना की सूचना मिलते ही भारत सरकार के गृह मंत्रालय के एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। जांच के बाद आईटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बैंक खाते और लिंकड सिम कार्ड कमीशन पर उपलब्ध कराते थे, जिनका उपयोग साइबर ठगी में किया जाता था। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आकाश चौहान निवासी हर्सलोला और आशीष उर्फ दीपक यादव निवासी विजयवर्गीय नगर को गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

शराबी वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई

इंदौर। सुरक्षित और सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विजयनगर पुलिस ने शराब पीकर लापरवाही से ट्रेवल्स की बस चलाने वालों सहित 12 वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई कर वाहन जब्त कर लिए गए। इनमें 2 यात्री बसें और आयरशर भारी वाहन भी शामिल हैं। पुलिस ने अमरदीप ट्रेवल्स एमपी-13-झेडआर-3230 के चालक सीताराम सेन निवासी सागर, गौतम ट्रेवल्स बस क्रमांक एमपी-17-पी-3351 के चालक नीरज कुमार शुक्ला तथा आयरशर वाहन क्रमांक एमपी-13-झेडआर-3250 के चालक गजेंद्र कोरी निवासी गौरी नगर पर कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि सभी चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। साथ ही इनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने और वाहनों का पंजीकरण रद्द करने के लिए परिवहन विभाग को रिपोर्ट भेजी जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में आग

इंदौर रानी सराय भवन परिसर स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में रविवार सुबह आग लग गई। यहां तीन डीसीपी सहित कई अधिकारियों के कार्यालय हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। यहां ट्रांसफार्मर के तारों में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, उससे निकली चिंगारियों ने नीचे झाड़ियों और कचरे को चपेट में ले लिया। गर्मी और सूखी घास के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और परिसर से धुंए का गुबार उठने लगा। स्मकल कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया।

युवक को चाकू मारा

शराब पिलाने को लेकर हुए विवाद में बदमाश ने युवक के पेट में चाकू मार दिया। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। बाणगंगा थाने में फरियादी सचिन पिता उमाशंकर सेन निवासी गोविंद नगर खारचा ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह अपने घर के पास गली में था, तभी वहां रहने वाले विवेक यादव रोका और कहां मुझे दारू पिला। सचिन ने जब शराब पिलाने से मना किया तो विवेक ने हमला कर दिया।

विवाद में युवक से मारपीट

इंदौर। विवाद के चलते बदमाशों ने युवक से मारपीट की। फरियादी विक्रम पिता लोखराम सिंह ठाकुर निवासी निरंजनपुर नई बस्ती ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ घर पर बैठा था। तभी वहाँ रहने वाले प्रभाकर, सुमित, शुभम और अन्य वहाँ पहुँचे। विक्रम के ससुर के साथ विवाद को लेकर उन्हें दूढ़ रहे थे। विक्रम ने जब आरोपियों को समझाते हुए कहा कि उसके ससुर अभी घर नहीं है तो आरोपियों ने विक्रम को पीट दिया।

कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई, एसडीएम तहसीलदारों के बाद 'बाबुओं' की बारी

प्रशासनिक अमले में खलबली, बाबुओं की लूपलाइन में जाने की तैयारी

इंदौर। जिले की प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और कसावट लाने के उद्देश्य से कलेक्टर शिवम वर्मा ने बड़े स्तर पर फेरबदल शुरू कर दिया है। एसडीएम और तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र में व्यापक बदलाव के बाद अब उन बाबुओं (लिपिकों) पर गाज गिरने वाली है, जो सालों से एक ही कुर्सी पर जमे हुए हैं।

तहसीलों से लेकर कलेक्टर कार्यालय तक ऐसे कई बाबू हैं जो लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं। इससे न केवल कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही थी, बल्कि लगातार शिकायतें भी मिल रही थीं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर अब इन बाबुओं को हटाने की सूची तैयार कर रहे हैं। माना जा रहा है कि इस बदलाव से जवाबदेही तय होगी और व्यवस्था में नई ऊर्जा आएगी।

एसडीएम स्तर पर बदलाव

प्रशासनिक सर्जरी के पहले चरण में एसडीएम स्तर पर नियुक्तियां बदली गईं -

- दीपक चौहान को कनाडिया का नया एसडीएम बनाया गया है (ओम नारायण सिंह बड़कुल के स्थान पर)।
- प्रियंका चौरसिया को खुडैल एसडीएम की जिम्मेदारी सौंपी गई है (नीरज खरे के स्थान पर)।
- हटाए गए अधिकारी ओमनारायण सिंह बड़कुल को भू-अर्जन और नीरज खरे को लोकसेवा गारंटी जैसी शाखाओं में भेजा गया है।



तहसीलदारों के प्रभार में बदलाव

विभिन्न तहसीलों में नए तहसीलदारों की नियुक्ति की गई है, जबकि कुछ को प्रोटोकॉल में भेजा गया है -

- जूनी इंदौर: राकेश सस्तिया, कमलेश कुशवाहा, अशोक परमार।
- मल्हारांज: शेखर चौधरी, लोकेश आहुजा, ऑंकार मनापो।
- राऊ: सत्येंद्र गुर्जर, धर्मेन्द्र चौकसे।
- देपालपुर: संगीता गोलिया, कुलदीप सिंह, महेंद्र गौड़।
- प्रोटोकॉल ड्यूटी: बलवीर सिंह राजपूत, निधि राजपूत

वंदे मातरम् का मामला कोर्ट तक पहुंचा, परिवार दायर किया गया

परिवार में मांग की गई कि केस दर्ज करने के निर्देश दिए जाएं

इंदौर। वंदे मातरम् को लेकर शुरू हुआ विवाद अब कानूनी और राजनीतिक दोनों रूप ले चुका है। नगर निगम के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस पार्षदों फौजिया शेख और रुबीना खान द्वारा राष्ट्रीय गीत नहीं गाने और उसमें जुड़े बयानों के बाद मामला जिला

निगम के बजट सत्र के दौरान पार्षद फौजिया शेख ने सवाल उठाया था कि कौन सा कानून वंदे मातरम् गाना अनिवार्य बनाता है। उन्होंने कहा था कि उनका धर्म इसकी अनुमति नहीं देता। वहीं, पार्षद रुबीना खान ने भी बयान उससे जुड़े बयानों के बाद मामला जिला



सामाजिक कार्यकर्ता विकास अवस्थी ने एडवोकेट आकाश शर्मा के जरिए परिवार दायर किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि पार्षदों ने मीडिया और सोशल मीडिया पर यह बयान दिया कि इस्लाम में वंदे मातरम् गाना प्रतिबंधित है। परिवारों में कहा गया है कि इन बयानों के

इजाजत नहीं देता, इसलिए इसे लेकर किसी पर दबाव बनाना गलत है। यह विवाद अब केवल धार्मिक या राष्ट्रवादी मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि राजनीतिक रंग भी ले चुका है। नगर निगम की राजनीति में इसे कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी और सत्ता संघर्ष से जोड़कर भी देखा जा रहा है। ऊपर से यह राष्ट्रीय गीत के सम्मान का मुद्दा दिखता है, लेकिन अंदरखाने पार्टी की खोचतान और स्थानीय राजनीति की जटिलताएं भी इसमें सामने आ रही हैं।

नर्सिंग भर्ती पर हाईकोर्ट सख्त, भले विज्ञापन में पेंच, आवेदन स्वीकारें

नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर भर्ती पर अंतरिम आदेश जारी

इंदौर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर पदों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर दायर याचिका पर महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया भर्ती विज्ञापन में विरोधाभास पाया और इसे प्रक्रिया में त्रुटिपूर्ण माना। जस्टिस जय कुमार पिछ्छे की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि भर्ती विज्ञापन के एक हिस्से में पुरुष और महिला दोनों अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जबकि अन्य हिस्से में आरक्षण से जुड़ी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। इस विरोधाभास को गंभीर मानते हुए कोर्ट ने हस्तक्षेप किया। कोर्ट ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ताओं को नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर पदों के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाए। साथ ही संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया है कि वे इन आवेदनों को स्वीकार करें। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया

में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आती है, तो याचिकाकर्ताओं के आवेदन ऑफलाइन माध्यम से भी स्वीकार किए जाएं, ताकि किसी योग्य उम्मीदवार को वंचित न होना पड़े।

चयन प्रक्रिया अंतिम निर्णय - कोर्ट ने यह भी कहा कि इन पदों पर होने वाली भर्ती प्रक्रिया और चयन अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। यानी अंतिम फैसला आने तक चयन अस्थायी माना जाएगा। मामले में कोर्ट ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। तय समय में जवाब नहीं देने पर याचिका स्वतः निरस्त मानी जाएगी। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी इस प्रकरण में याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट जीतेन्द्र वर्मा ने पैरवी की। इस अंतरिम आदेश के बाद भर्ती प्रक्रिया पर फिलहाल निगरानी बनी रहेगी और अंतिम निर्णय तक स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

पति की हत्या के पीछे अवैध संबंध, साजिश और झूठ का माया जाल

पत्नी ही निकली मास्टरमाइंड, पूछताछ में कई खुलासे हुए

धार। जिले के सरदारपुर इलाके के गाँदीखेड़ा चारण के मसाला कारोबारी की हत्या का मामला अब पूरी तरह साफ हो गया। यह सनसनीखेज घटना किसी बहरी हमले का नतीजा नहीं, बल्कि पत्नी की साजिश का हिस्सा निकली। जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिलाया।

पुलिस के मुताबिक, पति को पत्नी के दूसरे रिश्ते के बारे में जानकारी मिल चुकी थी। इस कारण दोनों के बीच लगातार विवाद होने लगे थे। तनाव इतना बढ़ गया कि पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर करीब एक लाख रुपए की सुपारी देकर पति की हत्या की योजना बनाई। गाँदीखेड़ा चारण गाँव में 6 अप्रैल को यह घटना हुई। आरोपी पत्नी ने घर के दरवाजे रात में खुले रखे, ताकि सुपारी क्लर आसानी से अंदर आ सके। पहले 3 अप्रैल को हत्या की योजना थी, लेकिन उस दिन हमलावर नहीं पहुँच पाया। इसके बाद 4 अप्रैल की रात को आरोपी ने घर में घुसकर सोते समय व्यापारी पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी जान ले ली।



वारदात के बाद ड्रामा - हत्या के बाद पत्नी ने खुद को निर्दोष दिखाने के लिए रणे-धोने का नाटक किया और घटना को लूट या डकैती का रूप देने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने कुछ ही घंटों में मामले की परतें खोल दीं और आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के कुछ वीडियो भी सामने आए

हैं। इनमें दोनों के बीच तीखी बहस देखी जा सकती है। एक वीडियो में पत्नी गुस्से में मोवाबल छीनने की कोशिश करती दिख रही है, जबकि दूसरे में दोनों के बीच फोन पर किसी तीसरे व्यक्ति से बातचीत को लेकर झगडा हो रहा है। बताया गया कि एक बार विवाद के दौरान पत्नी ने पति के हाथ पर काट भी लिया था।

वाइन शॉप के पास युवक का शव मिला, शिनाख्त जारी

सिर पर ईंट से चोट के निशान मिले, आपसी झगड़े की सूचना

इंदौर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में कुंदन नगर वाइन शॉप के पास हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस जांच तेज हो गई है। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है, जिसके लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार रात 8 डायल 112 को सूचना मिली थी कि वाइन शॉप के पास 30 वर्षीय युवक खून से लथपथ हालत में पड़ा है। पुलिस ने तुरंत उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर स्थिति के चलते उसे एमवाय अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

हाथ में ऊँ का निशान

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक के हाथ पर ओम का निशान बना हुआ है, जिसके आधार पर उसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास की कॉलोनीयों और थानों में गुमशुदा लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवक अपने कुछ साथियों के साथ मैदान में शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो इतना बढ़ गया कि साथियों ने ईंट-पत्थरों से सिर पर हमला कर दिया और उसे गंभीर रूप से घायल कर मौके से फरार हो गए। फिलहाल पुलिस वाइन शॉप और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि वारदात में शामिल लोगों की पहचान की जा सके।

शहर में ई-रिक्शाओं के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 15 अप्रैल, फिर सख्ती

अब तक 5500 रजिस्ट्रेशन, 3000 बाकी, ई-रिक्शा 4 रंग में बांटे

इंदौर। शहर में ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए 15 अप्रैल अंतिम तारीख तय की गई है। तय समय सीमा के बाद बिना रजिस्ट्रेशन वाले ई-रिक्शाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार सभी ई-रिक्शा संचालकों को 15 अप्रैल तक पंजीयन कराने का समय दिया गया है। इसके बाद बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों पर चालानी कार्रवाई के साथ जल्दी भी की जाएगी। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर जारी है। अब तक करीब साढ़े 5 हजार ई-रिक्शाओं का पंजीयन किया जा चुका है, जबकि लगभग 3 हजार वाहन अभी भी रजिस्ट्रेशन से बाकी हैं।

चार जोन में शहर बांटा

ट्रैफिक पुलिस ने शहर में ई-रिक्शाओं के संचालन को सुचारू बनाने के लिए उन्हें चार अलग-अलग जोन में विभाजित किया है। प्रत्येक जोन के अनुसार ई-रिक्शा संचालित होंगे, जिससे यातायात प्रबंधन बेहतर किया जा सके। इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस ने पहले ई-रिक्शा संचालकों और एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ बैठक भी की थी, जिसमें जोनवार संचालन



का निर्णय लिया गया।

जोन के अनुसार रंग तय

ई-रिक्शाओं की पहचान आसान बनाने के लिए उनकी छत के रंग जोन के अनुसार निर्धारित किए गए हैं। जोन 1. नीला (ब्लू), जोन 2. पीला (येलो), जोन 3. लाल (रेड), जोन 4. सफेद (व्हाइट)

यहां होंगे रजिस्ट्रेशन

- जोन 1 और 4: ट्रैफिक थाना पश्चिम (महू नाका)
- जोन 2 और 3: ट्रैफिक थाना पूर्व (एमटीएच कंपाउंड)

फर्जी डीलरशिप, प्लॉट व एपीके फाइल भेजकर 1 लाख का चूना

ठगी और साइबर फ्रॉड के तीन बड़े मामले सामने आए

इंदौर। ठगी के लगातार सामने आ रहे मामलों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में अलग-अलग तरीकों से तीन लोगों को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचाया गया है। पुलिस ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्कीम-78 निवासी शशिकांत त्रिपाठी ने शिकायत दर्ज कराई कि उनकी मुलाकात प्रॉपर्टी डीलर रामरत्न पंवार से पड़ोसी के जरिए हुई थी। आरोपी ने स्कीम-136 में सस्ते दामों पर प्लॉट दिलाने का झांसा दिया। उसने शशिकांत और उनके रिश्तेदार के नाम पर प्लॉट बुक करने की बात कहकर लाखों रुपए ले लिए। पैसे मिलने के बाद आरोपी अपने परिवार सहित फरार हो गया।

खनद डीलरशिप के नाम पर ठगी - लसूडिया इलाके में एक और मामला सामने आया है, जहां विमल पाटीदार नामक व्यक्ति से खाद की डीलरशिप दिलाने के नाम पर ठगी की गई। आरोपी ने ऑनलाइन बातचीत कर उनसे रकम अपने खाते में ट्रांसफर करवा ली और बाद में संपर्क तोड़ दिया। एक अन्य मामले में व्हाट्सएप पर शादी का कार्ड जंजाल बन गया। यह साइबर फ्रॉड का सबसे चौकाने वाला मामला है।

गुंडों, बदमाशों और नशाखोरों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की

पुलिस का सख्त अभियान, संदिग्धों पर नजर रखना शुरू

इंदौर। पुलिस ने शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर लगातार सख्त अभियान चलाया है। चारों जोन में संयुक्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने 450 संदिग्ध गुंडों और बदमाशों की जांच की, जिनमें से 350 लोगों पर वैधानिक कार्रवाई की गई।

इसके अलावा विभिन्न मामलों में फरार चल रहे 141 से अधिक वारंट तामील कराए गए, जिनमें स्थायी, गिरफ्तारी और जमानती वारंट शामिल हैं। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी सख्ती दिखाते हुए 218 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई और 185 वाहन जब्त किए गए। वहीं अवैध शराब बिक्री में लिस 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर आवकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। इसी तरह चाकू लेकर घूमने वाले 3 बदमाशों पर आरम्भ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। आदतन अपराधियों पर बीएसएनएन की विभिन्न धाराओं के तहत 84 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

संदिग्धों पर सखी नजर

पुलिस ने हॉटस्पॉट और संवेदनशील इलाकों में ड्रोन के जरिए निगरानी की और पैदल गश्त कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। इस दौरान कई फरार अपराधी भी पकड़े गए। पकड़े गए सभी संदिग्धों से डोजियर भरवाकर उन्हें भविष्य में अपराध न करने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस ने कहा कि इस तरह का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

संघ की शाखा में बाबा साहब डॉ. अंबेडकर

पुणे में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में 525 स्वयंसेवक संघ कार्य का प्रशिक्षण ले रहे थे। स्वाभाविक ही डॉ. अंबेडकर ने जानना चाहा कि हिन्दू समाज के संगठन के लिए कार्य कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इन 525 कार्यकर्ताओं में अस्पृश्य समुदाय के कितने लोग हैं। कतारबद्ध स्वयंसेवकों के बीच से गुजरने के बाद भी जब बाबा साहब यह पहचान नहीं कर सके कि अस्पृश्य वर्ग के बंधु कौन और कितने हैं? तब डॉ. हेडगेवार ने उनसे आग्रह किया कि वे स्वयं ही स्वयंसेवकों से यह पूछ लें। इसके बाद, जब डॉ. अंबेडकर ने कहा कि 'जो अस्पृश्य हों, वे एक कदम आगे आएँ', तो एक भी स्वयंसेवक आगे नहीं आया। इस पर बाबा साहब ने कहा, 'वे तो पहले ही ऐसा कहते थे कि आरएसएस में अस्पृश्य समाज के बंधु नहीं हैं।' तब डॉ. हेडगेवार ने स्पष्ट किया कि संघ में किसी को भी अस्पृश्य होने का अनुभव ही नहीं कराया जाता। उन्होंने डॉ. अंबेडकर को सुझाव दिया कि यदि वे चाहें तो उपजातियों का नाम लेकर पूछ सकते हैं। इसके बाद डॉ. अंबेडकर ने कहा, 'इस शिविर में जो चमार, महार, मांग, मेहतर हों, वे एक-एक कदम आगे आएँ।' यह सुनते ही लगभग सौ स्वयंसेवक तुरंत एक साथ आगे आ गए। यह सब देखकर बाबा साहब को स्पष्ट हो गया कि सामाजिक समरसता के लिए संघ के प्रयास बहुत प्रभावी हैं।

साहब को स्पष्ट हो गया कि सामाजिक समरसता के लिए संघ के प्रयास बहुत प्रभावी हैं। बाबा साहब डॉ. अंबेडकर से जुड़े रहे पूर्व लोकसभा सांसद बालासाहेब सालुंके ने भी बाबा साहब डॉ. अंबेडकर और संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार की मुलाकात का उल्लेख किया है। उनके पुत्र काश्यप सालुंके ने भानुदास गायकवाड़ के साथ मिलकर बालासाहेब सालुंके के संस्मरणों एवं विचारों का संकलन किया है- 'आमचं सायेब : दिवंगत खासदार बालासाहेब सालुंके'। इस पुस्तक के पृष्ठ 25 और 53 पर डॉ. अंबेडकर और आरएसएस के संदर्भ में उपरोक्त उल्लेख आते हैं। याद रहे कि बाबा साहब सालुंके और उनके पुत्र काश्यप सालुंके का संघ से कोई संबंध नहीं है। पुस्तक में बाबा साहेब सालुंके के हवाले से लिखा गया है-



'पुणे में भाऊसाहेब गडकरी के बंगले पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार की मुलाकात हुई। फिर भाऊसाहेब अभ्यंकर, श्री बाळसाहेब साळुंके के साथ बाबा साहब डॉ. अंबेडकर को भावे स्कूल में

लगे स्वयंसेवकों के ग्रामिकालीन शिविर में भेंट के लिए ले गए। बाबा साहब ने यहाँ सैन्य अनुशासन और संगठन पर भाषण दिया'। संघ की शाखा एवं संघ शिक्षा वर्ग में बाबा

भीमराव अंबेडकर पुणे में संघ की शाखा में भी गए थे। यहाँ स्वयंसेवकों के समक्ष अपने विचार प्रकट किए। विश्व संवाद केंद्र, विदर्भ ने 9 जनवरी 1940 को प्रकाशित प्रसिद्ध मराठी दैनिक समाचारपत्र 'केसरी' की प्रति साझा की है। जिसके अनुसार, बाबा साहब डॉ. अंबेडकर 2 जनवरी, 1940 को सतारा जिले के करहाड गाँव स्थिति भवानी शाखा में गए। जहाँ स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा- 'कुछ बातों पर मतभेद हो सकते हैं। लेकिन संघ की तरफ अपनत्व की भावना से देखता हूँ। इस संबंध में उल्लेखनीय है कि इस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में 2 जनवरी, 2025 को लोक कल्याण मंडल न्यास की ओर से श्री भवानी संघ स्थान पर बंधुता परिषद नाम से एक वैचारिक कार्यक्रम किया गया। इस आयोजन में अंबेडकरवादी संगठन के नेता शामिल हुए और अपने विचार भी प्रकट किए।

शाखा और वर्ग के बाहर भी डॉ. अंबेडकर का संपर्क संघ के कार्यकर्ताओं के साथ रहा। महात्मा गांधी की हत्या के झूठे आरोप लगाकर जब संघ को

कुचलने का प्रयास किया गया, जब द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोविलकर उपाख्य 'श्रीगुरुजी' संघ से प्रतिबंध हटाने के लिए प्रयास कर रहे थे। इस क्रम में सितंबर-1949 में दिल्ली में डॉ. अंबेडकर की मुलाकात श्रीगुरुजी से हुई। दत्तोपंत टेंगडी की पुस्तक 'डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा' में इस मुलाकात का उल्लेख मिलता है। इसके साथ ही, धनञ्जय कौर ने अपनी पुस्तक 'डॉ. अंबेडकर : लाइफ एंड मिशन' में भी इस मुलाकात का उल्लेख किया है। हालाँकि, दोनों ने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया कि उनमें क्या बातचीत हुई थी। लेकिन यह स्पष्ट किया है कि यह मुलाकात संघ पर लगे प्रतिबंध को हटाने के प्रयासों के संदर्भ में थी।

बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के प्रति संघ में सदैव सम्मान का भाव रहा है। संघ ने अपने एकात्मता स्रोत (पूर्व में जिसे प्रातः स्मरण कहते थे) में भी बाबा साहब को भी शामिल किया है। अर्थात् संघ के लिए बाबा साहब प्रातः स्मरणीय और राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करनेवाले महापुरुष हैं। एकात्मता स्रोत का पाठ करते समय स्वयंसेवक बाबा साहब के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का स्मरण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। इस विजयादशमी के उत्सव पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने भी अपने उद्बोधन में बाबा साहब डॉ. अंबेडकर का स्मरण किया। अपने उद्बोधन में समाज की एकता पर बात रखते हुए सरसंघचालक जी ने कहा कि 'हमारी इस एकता के आधार को डॉ. अंबेडकर साहब ने अन्तर्निहित सांस्कृतिक एकता कहा है'।

अंबेडकर जयंती पर विशेष

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।



माजिक समरसता के अग्रदूत बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर आशांन्वित थे। उन्हें विश्वास था कि संघ हिन्दू समाज में एकजुटता और सामाजिक समरसता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बाबा साहब डॉ. अंबेडकर संघ की शाखा और शिक्षा वर्ग में पहुँचकर एवं संघ के कार्यकर्ताओं से संवाद कर अपने विचारों को पुष्ट करते रहे। डॉ. अंबेडकर का संघ के साथ पहला महत्वपूर्ण संपर्क 1935 में हुआ, जब वे पुणे में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग के सार्यकालीन बौद्धिक सत्र में आए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात आद्य सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से हुई। इस वर्ग में उन्हें जो अनुभूति हुई, उससे संघ के प्रति अपनत्व का भाव बन गया, जो उनके मन में जीवनपर्यंत बना रहा है। संघ के साथ संपर्क-संवाद भी बना रहा।

पुणे में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में 525 स्वयंसेवक संघ कार्य का प्रशिक्षण ले रहे थे। स्वाभाविक ही डॉ. अंबेडकर ने जानना चाहा कि हिन्दू समाज के संगठन के लिए कार्य कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इन 525 कार्यकर्ताओं में अस्पृश्य समुदाय के कितने लोग हैं। कतारबद्ध स्वयंसेवकों के बीच से गुजरने के बाद भी जब बाबा साहब यह पहचान नहीं कर सके कि अस्पृश्य वर्ग के बंधु कौन और कितने हैं? तब डॉ. हेडगेवार ने उनसे आग्रह किया कि वे स्वयं ही स्वयंसेवकों से यह पूछ लें। इसके बाद, जब डॉ. अंबेडकर ने कहा कि 'जो अस्पृश्य हों, वे एक कदम आगे आएँ', तो एक भी स्वयंसेवक आगे नहीं आया। इस पर बाबा साहब ने कहा, 'वे तो पहले ही ऐसा कहते थे कि आरएसएस में अस्पृश्य समाज के बंधु नहीं हैं।' तब डॉ. हेडगेवार ने स्पष्ट किया कि संघ में किसी को भी अस्पृश्य होने का अनुभव ही नहीं कराया जाता। उन्होंने डॉ. अंबेडकर को सुझाव दिया कि यदि वे चाहें तो उपजातियों का नाम लेकर पूछ सकते हैं। इसके बाद डॉ. अंबेडकर ने कहा, 'इस शिविर में जो चमार, महार, मांग, मेहतर हों, वे एक-एक कदम आगे आएँ।' यह सुनते ही लगभग सौ स्वयंसेवक तुरंत एक साथ आगे आ गए। यह सब देखकर बाबा

विशेष: अंबेडकर जयंती

वेद विलास उनियाल

(वरिष्ठ पत्रकार, समीक्षक)



विधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर खासी खींचतान दिखती है। बसपा हर बार 14 अप्रैल को बड़े स्तर पर अंबेडकर जयंती मनाती रही है। सपा और उनके नेता अखिलेश पीडीए का नारा जरूर देते रहे हैं लेकिन उन्हें आभास रहा है कि पीडीए में उनके लिए सबसे कमजोर कड़ी दलित वर्ग रहा है। यह वर्ग सपा से तब कुछ हद तक जुड़ पाया जब सपा के साथ बसपा या कांग्रेस का गठबंधन रहा हो। इस बार सपा नेता अखिलेश ने दलित वर्ग को साधने के लिए डॉ. अंबेडकर के नाम पर राज्य भर में कार्यक्रम किए। वह लोहियावाद के साथ अंबेडकरवाद को जोड़कर एक धुरी तैयार कर रहे हैं। सपा ने कांशीराम की जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाना शुरू कर दिया है। मुस्लिम मतों पर उनको भरोसा है।

सपा अंबेडकर के साथ-साथ दलित वर्ग के नायक और संस्थापक कांशीराम के नाम को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है। यहाँ कांशीराम किसके इसलिए दोनों पार्टियों में जमकर संघर्ष हो रहा है। सपा नेता मान रहे हैं कि कांशीराम से जुड़ाव दिखाकर वह दलित वर्ग से सहानुभूति अर्जित कर सकते हैं। हालाँकि, 2023 में भी अखिलेश ने रायबरेली में कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण किया था। लेकिन लोकसभा चुनाव में कथित संविधान बचाओ का नारा सपा के अनुकूल रहा उससे पार्टी ने कांशीराम की जयंती को पीडीए दिवस मनाने का निर्णय लिया। पीडीए के फार्मूले पर चलते

अंबेडकर, जगजीवन और कांशीराम किसके नायक

यूपी के चुनाव में जातीय समीकरणों को साधने के लिए सियासी दल बिसात बिखर रहे हैं। राज्य में 21 प्रतिशत दलितों को अपने-अपने प्रभाव में लाने के लिए होड़ लगी है। संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर, पूर्व रक्षा मंत्री जगजीवन राम और बसपा संस्थापक कांशीराम के नाम के सहारे सियासत साधने की जबरदस्त होड़ लगी है।

हूप वह अपनी जनसभा में लोगों को याद दिलाने की कोशिश करते हैं कि कांशीराम और मुलायम सिंह ने यूपी में 1993 में हाथ मिलाकर राज्य की राजनीति की धारा बदली थी।

बसपा मानती है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर चलने वाली वह प्रमुख पार्टी हैं। बसपा के संस्थापक होने के नाते वह कांशीराम पर अपना पूर्ण अधिकार जताती है। इसलिए सपा की ऐसी कोशिशों पर विराम लगाते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने टिप्पणी की थी कि सपा ने कांशीराम के नाम पर जिले का नाम बदल दिया था। वह यह लखनऊ गेस्ट हाउस कांड की याद दिलाना नहीं भूलती। बसपा मानती रही है कि उसके वोट तो सपा के लिए ट्रांसफर हुए लेकिन सपा से उसके उम्मीदवारों को कोई मदद नहीं मिली। नायकों को खींचने का संघर्ष यूपी की राजनीति को दिलचस्प



बनाया है। 1987 तक यूपी के दलित कांग्रेस से जुड़े रहे। उसका बड़ा आधार मुस्लिम दलित बने रहे। राज्य के सियासी हालात बदले और कांग्रेस ने यूपी में दलित आधार को खो दिया।

कांग्रेस इसी लिए अपने दलित आधार को पाने के

लिए डॉ. अंबेडकर बाबू जगजीवन राम और कांशीराम का स्मरण कर रही हैं। वह अहसास करा रही हैं कि नेहरू के पहले मंत्रिमंडल में जगजीवन राम को मंत्री बनाया गया था। अब कांग्रेस अंबेडकर को संविधान निर्माता के रूप में प्रस्तुत कर रही है और यह जलाना नहीं भूलती कि अंबेडकर नेहरू के पहले मंत्रिमंडल में शामिल हुए। राहुल गांधी ने दलितों से जुड़ाव दिखाते हुए कहा कि अगर नेहरू जीवित होते तो कांशीराम को यूपी का सीएम बना दिए होता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी संविधान की प्रति दिखाकर दलित मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करते रहे हैं।

कांग्रेस ने बसपा को यह संकेत भी दिए थे कि वह उसके साथ गठबंधन करके यूपी में राजनीति को नया मोड़ दे सकती है। कांग्रेस एक बार बसपा के साथ समझौता कर चुकी है। लेकिन बसपा ने अब अकेले चलने की रणनीति बनाई है। बसपा कांग्रेस

को भी आड़े हाथ लेने से नहीं चूकती। बसपा नेता मायावती ने कांग्रेस पर तीखे प्रहार करते हुए कहा है कि कांग्रेस ने अंबेडकर को हमेशा हाशिए पर रखा। कांग्रेस ने अपने लंबे शासन काल में दलित वर्ग के लिए आरक्षित पदों को ईमानदारी से नहीं भरा। बसपा मतदाताओं से संवाद कर रही है कि कांग्रेस ने पूरे जीवन बाबा साहब की उपेक्षा की अब वह कांशीराम के नाम पर राजनीति कर रही है।

यूपी में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने दलित वर्ग को प्रभाव में लेने के लिए इस बात पर फोकस किया है कि उसकी डबल इंजन सरकार में आर्थिक योजनाओं का लाभ हर वर्ग को मिला है। राज्य में कानून व्यवस्था बेहतर हुई है। भाजपा दावा करती है कि योगी राज में दलितों पर अत्याचार की घटनाएँ सुनने को नहीं मिलती। वह बसपा की तरह कांग्रेस को घेरती है कि देश के पहले उपचुनाव में कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर को उत्तर मुंबई की सीट पर हारने के लिए हर तरह की रणनीति अपनाई। कांग्रेस ने एक परिवार के तीन लोगों को तो भारत रत्न दिया लेकिन दशकों बाद भी बाबा साहब अंबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया गया। बीजेपी बाबू जगजीवन राम को लेकर भी कांग्रेस को आड़े हाथ ले रही है। बीजेपी अहसास करा रही है कि कांग्रेस ने 1971 के युद्ध की सफलता का श्रेय बाबू जगजीवन राम को नहीं दिया।

जयंती पर विशेष

श्याम बोहरे

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।



ससे अधिक आश्चर्य की बात और क्या हो सकती है कि दलित (जिन्हें पहले हरिजन कहा जाता था) अछूत होते हुए भी हिन्दू हैं। मानव जाति के ये लोग क्यों हिन्दू बने रहने के लिए अभिशप्त हैं? यह समझ पाना कोई आसान काम नहीं हो सकता, लेकिन यह समझ में जरूर आता है कि भीमराव अंबेडकर ने हिन्दू धर्म रहते हुए अपमान और जलालत भरी जिन्दगी से आजाद होने के लिए हिन्दू धर्म छोड़ने का साहसिक और ऐतिहासिक कदम क्यों उठाया? आज अंबेडकर होते तो हिन्दू धर्म के पाखण्ड और जलालत भरे जीवन से आजादी की बात कहने के लिए उन्हें राष्ट्रद्वेषी घोषित कर दिया होता। आजादी के आन्दोलन के दौरान हो रहे सामाजिक सुधार के रचनात्मक काम और बाद में भारत के संवैधानिक मूल्यों के अनुसार समतावादी समाज बनाने के जवाहरलाल नेहरू के जतन और डॉ. राममनोहर लोहिया के जाति तोड़ने आन्दोलन ने जाति पाति के मकड़जाल से समाज को निकालने की कोशिशों की थीं। इन कोशिशों के असर भी हुए जिसके कारण जलालत भरी जिन्दगी जीने वाली जाति के लोगों को कुछ राहत मिली। यद्यपि यह राहत केवल उन्हीं तक सीमित रही जो अपनी जड़ों को छोड़कर, पढ़ लिख कर और अपना जातिगत व्यवसाय या पेशा न कर दूसरे व्यवसाय को अपना कर कहीं दूर जा बसे। जो कहीं नहीं

कैसे याद करें अंबेडकर को?

आजादी के आन्दोलन के दौरान हो रहे सामाजिक सुधार के रचनात्मक काम और बाद में भारत के संवैधानिक मूल्यों के अनुसार समतावादी समाज बनाने के जवाहरलाल नेहरू के जतन और डॉ. राममनोहर लोहिया के जाति तोड़ने आन्दोलन ने जाति पाति के मकड़जाल से समाज को निकालने की कोशिशों की थीं। इन कोशिशों के असर भी हुए जिसके कारण जलालत भरी जिन्दगी जीने वाली जाति के लोगों को कुछ राहत मिली। यद्यपि यह राहत केवल उन्हीं तक सीमित रही जो अपनी जड़ों को छोड़कर, पढ़ लिख कर और अपना जातिगत व्यवसाय या पेशा न कर दूसरे व्यवसाय को अपना कर कहीं दूर जा बसे। जो कहीं नहीं जा सकें और अपने गांवों में ही रह कर अपना जातिगत व्यवसाय ही कर रहे हैं वे जात-पात के उंच-नीच के जाल में फंसे रहकर नर्क भोग रहे हैं।

जा सकें और अपने गांवों में ही रह कर अपना जातिगत व्यवसाय ही कर रहे हैं वे जात-पात के उंच-नीच के जाल में फंसे रहकर नर्क भोग रहे हैं। पढ़ाई लिखाई का विस्तार होने, सामाजिक जागरूकता के अनेकों कार्यक्रमों, बढ़ते हुए औद्योगिकीकरण और शहरीकरण की वजह से दूर दराज आने जाने के कारण जातिगत भेदभाव और उंचनीच के व्यवहार में अन्तर आए हैं जो सकारात्मक संकेत हैं। कांग्रेसियों, समाजवादियों, वामपंथियों और अन्य

प्रगतिशील शक्तियों की असफलता के कारण हिन्दू राष्ट्र के पैरोकारों की सरकार सत्ता में आई जिससे जातिविहीन और समतावादी समाज को गहरा झटका लगा है। आज सरकार के चाल चरित्र और चेहरे से ऐसा महसूस हो रहा है कि समय का पहिया फिर वहीं पीछे ले जाने की कोशिश हो रही है जहाँ अंबेडकर हिन्दू धर्म छोड़ने पर मजबूर हुए थे। पहले ज्ञान अर्जित (वेद पाठ) करने के 'अपराध' में राजा राम के द्वारा शम्भूक वध किया गया, कौशल हासिल करने वाले

एकलव्य को अंगूठा काटकर देने पर मजबूर किया गया तो आज सत्ताधारी दल के नेताओं के सक्रिय हस्तक्षेप की हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में दलित छात्रों की



क्षात्रवृत्ति रोकी जा रही है, उन्हें छात्रावास से निकाल कर प्रताड़ित किया जा रहा है, जिसके कारण प्रतिभाशाली शोध छात्र रोहित वेमूला आत्महत्या करने के लिए मजबूर

कर दिया जाता है। दलित प्रताड़ना के तरीके को छोड़ कर और क्या बदला है आज? एक विश्वविद्यालय में बौद्धिक विचार विमर्श के लिए बने अंबेडकर पेरियार स्टडी

सर्कल की मान्यता रद्द की जाती है, दलित छात्रों के वजीफे रोक लिए जाते हैं, उन्हें विश्वविद्यालय परिसर से बेदखल करके ज्ञान हासिल करने से वंचित किया जाता है। क्यों अंबेडकर आज भी इतने खतरनाक नजर आते हैं इस निजाम को आज सरकार अंबेडकर की मूर्ति लगायेगी, समारोह मनायेगी, भवन एवं संस्थानों के नाम उनके नाम पर रखेगी, विज्ञापन देकर बाबा साहब के साथ-साथ लगे हाथ अपनी और अपने राजनेताओं की छवि चमकायेगी, दिखावे के सभी अनुष्ठान करेगी। लेकिन ज्यों ही दलित समाज के लोग अंबेडकर का दिखाया रास्ता अख्तयार करेंगे मतलब 'शिक्षित होंगे, संघटित होंगे और संघर्ष करेंगे तो फिर उन्हें रोहित वेमूला की जगह पहुँचाएंगी। आज सवाल

यह है कि अंबेडकर को याद करने का तरीका क्या हो? डॉ. अंबेडकर जयंती के अवसर पर भव्य समारोह, किराये की भीड़, बाबा साहब की भक्ति का भौंडा प्रदर्शन, लफ्फाजी भरे भाषण, भवनों के नामकरण आदि के लालीपाप में ही भरमाकर केवल वोट बैंक में सीमित हो जाना। या फिर शिक्षित और संगठित होकर संघर्ष के जरिए मानवीय, न्यायपूर्ण, धर्मरिपेक्ष और समतावादी समाज के लिए कोशिशों की जायें जहाँ किसी शैक्षिक परिसर में विचार विमर्श का गला न घोंटा जा सके, किसी रोहित वेमूला को मरने के लिए मजबूर न किया जा सके, किसी कन्हैया को भूख से आजादी गरीबी से आजादी, संघवाद से आजादी की बात कहने पर राष्ट्रद्वेषी करार कर जेल में न टूँसा जा सके। संकीर्ण राष्ट्रवाद की सीमाओं को लांघकर भारत के संविधान की उद्देशिका में व्यक्त संकल्प का समाज बनाने के लिए आन्दोलन। अंबेडकर ने केवल दलित समाज के हितों के लिए काम नहीं किया, उनका काम व्यापक समाज को मानवीय, समतावादी और न्यायपूर्ण बनाने के लिए था इसलिए उन्हें केवल दलितों का मसीहा मानना उनके महत्वपूर्ण सामाजिक अवदान की अवहेलना होगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश की आधी आबादी को मिलेगा न्याय

नारी शक्ति वंदन अधिनियम - महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम: केन्द्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर

धारा। केन्द्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार सावित्री ठाकुर ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को देश की महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी पहल बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह अधिनियम महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और निर्णय लेने में सहभागी बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है।

प्रेस वार्ता में धार विधायक नीना वर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राखी राय, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कसूम सोलंकी, जिला पंचायत सदस्य गायत्री पुराहित, मोर्चा जिला महामंत्री सुनिता दुबे मंचायती रहे।

सावित्री ठाकुर जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। उज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, मातृत्व अवकाश में वृद्धि जैसे अनेक कदमों से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इस अधिनियम के माध्यम से संसद



एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 33 प्रतिशत तक आरक्षण प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि देश की करोड़ों माताओं-बहनों के सम्मान, अधिकार और भागीदारी को सुनिश्चित करने का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण

को केंद्र में रखते हुए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। उज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को धुप से मुक्ति मिली, जनधन खातों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण हुआ, और मुद्रा योजना से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए। इसके साथ ही 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान ने समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित की है। श्रीमती ठाकुर ने यह भी उल्लेख किया कि

महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया, जिससे कार्यरत महिलाओं को सम्मानजनक वातावरण मिला।

आज देश में महिलाओं की भागीदारी विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और प्रशासन के हर क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है, जो एक विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल वर्तमान को नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सशक्त बनाने का माध्यम है। यह अधिनियम महिलाओं को नीति निर्माण में अधिक अवसर प्रदान करेगा और देश के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगा।

अंत में, श्रीमती ठाकुर ने विश्वास व्यक्त किया कि यह ऐतिहासिक कदम भारत को महिला-नेतृत्व वाले विकास मॉडल की ओर अग्रसर करेगा और देश की बेटियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

'गांव - बस्ती चलो अभियान' के तहत बैलगाड़ी से पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल

सादगी और सहजता के साथ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प

बैतूल। 'गांव- बस्ती चलो अभियान' के अंतर्गत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने रविवार को बैतूल, भैसदेही एवं घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र के देवगांव, खाटापानी, चिरापाटला, मंडई ग्रामों का भ्रमण कर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं से भेंटकर वरिष्ठजनों को सम्मानित किया। इस दौरान श्री खंडेलवाल ने सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश भी दिया। उन्होंने भीमपुर में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। गांव - बस्ती चलो अभियान के तहत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने बैलगाड़ी से ग्राम चिरापाटला में अनीखे अंदाज में पहुंचकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। चिरापाटला ग्राम में बैलगाड़ी से सवार होकर बैतूल को हकते हुए पहुंचकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने सादगी, परंपरा और ग्रामीण जीवन से उनके गहरे जुड़ाव का संदेश दिया। गांव - बस्ती में भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने परंपरिक रीति-रिवाजों, तौर-तरीकों और खेल नगाड़ों से उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान खंडेलवाल ने ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं से सहजता के साथ भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं और संवाद किया।

गांव, गरीब, किसान और वंचित वर्ग का उत्थान हमारी प्राथमिकता- इस दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते श्री खंडेलवाल ने कहा कि गांव बस्ती चलो अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को समाधान और समाधान हेतु ठोस पहल करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा



की सोच हमेशा से गरीब, किसान और वंचित वर्ग के कल्याण पर केंद्रित रही है। उन्होंने आगे कहा कि सादगी और सहजता ही जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी ताकत होती है। श्री खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव- गरीब, किसान और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान ही हमारी प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य के साथ भाजपा का हर कार्यकर्ता गांव-गांव तक पहुंच रहा है। इस दौरान भैसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान, घोड़ाडोंगरी विधायक गंगाबाई उड्डेके, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बैतूल अनिल सिंह कुशवाहा, गांव -बस्ती चलो अभियान के जिला संयोजक भाजपा जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, पूर्व जनपद अध्यक्ष चिरौंजी पटेल, भाजपा अजंजा मोर्चा जिला अध्यक्ष संतोष टेकाम, चिरापाटला मंडल अध्यक्ष राजेंद्र यादव सहित कार्यकर्ता व ग्रामीणजन मौजूद थे।

भाजपा कार्यालय देवास पर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर प्रेस वार्ता आयोजित

देवास। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय देवास में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व भाजपा प्रदेश मंत्री अंजु माखीजा रहीं। साथ ही देवास विधायक गायत्री राजे पवार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह संघव ने भी प्रेस वार्ता को

गायत्री राजे पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को 'मतदाता' से आगे बढ़कर 'निर्णायक' की भूमिका में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में महिलाएं देश



संबोधित किया। मुख्य वक्ता अंजु माखीजा ने अपने संबोधन में कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की मातृशक्ति को सशक्त बनाने की ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय लेने की मुख्यधारा में लाने का सशक्त माध्यम बनेगा। वर्षों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार हुआ है, जिससे महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह कदम भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगा। विधायक श्रीमती

की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाएंगी, जिससे समाज के हर वर्ग का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह संघव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति की, लेकिन उसे लागू करने का साहस नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने ठोस निर्णय लेते हुए महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का काम किया है। यह अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

नवागत कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुशासन और जवाबदेही पर रहेगा फोकस



बैतूल। नवागत कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार मीडिया से रूबरू होते हुए प्रशासन की प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जिले में गुड गवर्नेंस को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से लागू करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने बताया कि अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनसमस्याओं के निराकरण में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता बरती जाए तथा हर शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्तीय अनियमितताओं और गड़बड़ी पर 'जिरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि जल गंगा

संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को धरातल पर उपयोगी और टिकाऊ बनाने के निर्देश सभी सीएमओ एवं सीईओ को दिए गए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों के परामर्श से जल संरचनाओं और निर्माण कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। राजस्व प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने कहा कि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी से बचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा क्षेत्रों में मैदानी स्थाओं को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न विभागों के कार्यों का नियमित फील्ड निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

पत्रकार कल्याण परिषद ने किया नवागत कलेक्टर का स्वागत

बैतूल। जिले के नवागत कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे का भारत के पत्रकारों के राष्ट्रीय संगठन, पत्रकार कल्याण परिषद जिला इकाई बैतूल द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान नवागत कलेक्टर श्री सोनवणे ने पत्रकार कल्याण परिषद



बैतूल के पदाधिकारियों से रूबरू होते हुए पत्रकारों एवं प्रशासन के बीच अच्छे समन्वय बनाने को प्राथमिकता देने की बात कही।

इस अवसर पर पत्रकार कल्याण परिषद के जिलाध्यक्ष कैलाश अग्निहोत्री, महासचिव संजय द्विवेदी, संभागीय प्रभारी राधेश्याम सिन्हा, उपाध्यक्ष विक्की लिच्छर, सचिव चंद्रशेखर यादव सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद थे। गौरतलब है कि कलेक्टर श्री सोनवणे ने रविवार को बैतूल पहुंचकर कलेक्टर का पदभार ग्रहण किया है। इसके पूर्व नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी बैतूल कलेक्टर थे, जिनका तबादला रीवा कलेक्टर के रूप में हुआ है।

महान समाज सुधारक महात्मा फुले को किया याद

बैतूल। अवेडकर शिक्षा महाविद्यालय में 11 अप्रैल को महान समाज सुधारक एवं नारी शिक्षा के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती को मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के संचालक इंजी. ध्रुवप्रकाश अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. जी.डी. देशमुख द्वारा महात्मा फुले के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ. देशमुख ने अपने उद्बोधन में कहा कि महात्मा फुले ने अपने जीवनकाल में शिक्षा का प्रचार प्रसार किया। उनका मानना था कि ज्ञान सभी वर्गों के लिए समान हो, उन्होंने अपना जीवन गरीबों, वंचितों एवं कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए समर्पित कर दिया। उनकी पहली शिष्या उनकी धर्मपत्नी सावित्री बाई फुले थी, जो भारत की पहली महिला शिक्षिका थी। कार्यक्रम में बी.एड. स्टाफ एवं बी.एड. स्कूलर्स उपस्थित रहे।

सोहागपुर ब्लाक में नहीं हो रही गेहूं की खरीदी, किसानों पर मुसीबत बिचोलियों की पौ बारह, कांग्रेस नेता मिले एसडीएम से

सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय में पूरे ब्लाक में नहीं हो रही गेहूं की खरीदी, किसानों पर मुसीबत, बिचोलियों की पौ बारह, कांग्रेस नेताओं ने अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लवों से इसी संदर्भ में एसडीएम कार्यालय में किसानों समस्याओं से अवगत कराया। वहीं समिति प्रबंधकों द्वारा की गई घोषणाओं को भी संज्ञान में बताया। इस अवसर पर कांग्रेस के सोहागपुर विधानसभा चुनाव प्रयाशी रहे पुष्परजसिंह पटेल, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल, पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष गजेन्द्र चौधरी वकील प्रांजल तिवारी, किसान नेता केशरीसिंह पटेल, नीरज चौधरी, विक्रम रघुवंशी आदि उपस्थित थे। कांग्रेस नेता पुष्परजसिंह पटेल ने एसडीएम को अवगत कराया कि मैंने माखन नगर एवं सोहागपुर ब्लाक के सोसायटी केंद्रों का जायजा लिया। लेकिन कहीं भी गेहूं की खरीदी प्रारंभ नहीं हुई है। वहीं कई छोटे छोटे किसानों ने अपनी उपज खरीदी केंद्रों पर



खरीदी की आशा में रख दी है। खरीदी नहीं होने के कारण वर्तमान में बरसात होने की संभावना ने इस कारण भी बाहर खरीदी नहीं कर रहे हैं कि संभावना है। वहीं आपने एसडीएम को अवगत कराया कि समिति प्रबंधकों ने मांग रखी है कि हम खुले मैदान में गेहूं की खरीदी

नहीं करेंगे। इससे हमें भारी नुकसान होने की संभावना है। बताया जाता है प्रमिति प्रबंधकों ने इस कारण भी बाहर खरीदी नहीं कर रहे हैं कि संभावना है। वहीं आपने एसडीएम को अवगत कराया कि समिति प्रबंधकों ने मांग रखी है कि हम खुले मैदान में गेहूं की खरीदी

संभावना है। वहीं बाहर खरीदी होने से गेहूं चोरी होने की संभावना है। इसलिए गेहूं खरीदी में विलंब हो रहा है। नेताओं ने एसडीएम को अवगत कराया कि सिवनी मालवा में समिति प्रबंधकों को वेयरहोउस में खरीदी करने की अनुमति दी गई है। सभी ने अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लवों से तत्काल इस मामले में संज्ञान लेने का आग्रह किया है ताकि किसानों का अहित नहीं हो। अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लवों ने इस प्रतिनिधि को बताया कि शासन की नीति के अनुसार सोहागपुर के केंद्रों पर खरीदी प्रारंभ हो गई है। इस प्रतिनिधि मंडल के द्वारा साक्षात् की गई अन्य समस्याओं को लेकर उच्च अधिकारियों को जानकारी देकर मार्गदर्शन लिया जाएगा। इधर पता चला कि बिचोलियों की गेहूं खरीदी नहीं होने के पी बारह हो गई है। किसानों से अपनी मनमानी कीमतों पर गेहूं खरीदी कर रहे हैं। इधर किसानों को भी बरसात का डर सता रहा है। इस कारण किसान भी मजबूर हैं। इधर कुआं उधर खाई।

महाराष्ट्र समाज देवास में चुनाव संपन्न, दीपक कर्पे निर्विरोध अध्यक्ष चयनित

देवास। महाराष्ट्र समाज देवास में रविवार को आयोजित साधारण सभा और चुनाव प्रक्रिया ने समाज की एकजुटता और सक्रियता की मजबूत तस्वीर पेश की। लंबे समय बाद आयोजित इस बैठक में समाज के सदस्यों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। साधारण सभा की शुरुआत समाज अध्यक्ष दीपक कर्पे एवं ट्रस्ट अध्यक्ष संजय कोटस्थाने द्वारा विधिवत सरस्वती पूजन के साथ की गई। इसके बाद साधारण सभा में समाज के विकास, गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर चर्चा हुई। कई सदस्यों ने रचनात्मक सुझाव दिए, तो कई ने समाज की पूर्ण कार्यकारणी से प्रश्न भी पूछे गए, जिनके

समाधानकारक उत्तर दीपक कर्पे और मिलिंद वैद्य ने दिए। कार्यकारिणी कोषाध्यक्ष नीलिंद म्हाडुत द्वारा आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसे सदस्यों ने ध्यानपूर्वक सुना। न्यास का बजट और लेखा प्रबंधक सदाशिव जोशी ने प्रस्तुत किया। कार्यकाल पूर्ण होने पर पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। निर्वाचन अधिकारी उदय कस्तुरे, अशोक कुलकर्णी की निगरानी में पारदर्शिता के साथ चुनाव संपन्न कराए गए। अध्यक्ष पद पर दीपक कर्पे सहित तीन महिला सदस्य वृषाली आटे, दिव्या गोटी, रुशाली विपट निर्विरोध चुनी गईं, जो समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का संकेत है। इसके बाद शेष कार्यकारिणी पदों

के लिए मतदान कराया गया। भोषण गर्मी के बावजूद समाज के सदस्य बड़ी संख्या में मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का उपयोग किया। चुनाव में संकेत सुपेकर, भूषण अत्रे, प्रवीण रायगांवकर, शेखर धोड़पकर, भालचंद्र बाकोरे, विवेक जोशी, मंदार मुळे, नीलिंद म्हाडुत, विजयी घोषित किए गए। प्रकाश कोरडे, रवि अयाचित, विवेक बशी, दिलीप बाकोरे, नचिकेत मनोहर, सारांग लोटे के सहयोग से पूरी चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में संपन्न हुई, जिसने महाराष्ट्र समाज की संगठित ताकत और सक्रियता को फिर से उजागर कर दिया। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही समाज में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार देखने को आने वाले समय में मिलने वाला है।

जिला जेल बैतूल एवं उपजेल मुलताई में जेल लोक अदालत 26 अप्रैल को



बैतूल, (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश अनुसार 26 अप्रैल 2026 को जेल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल के मार्गदर्शन में जिला जेल बैतूल और उपजेल मुलताई में आयोजित इस जेल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित

छोट-मोटे अपराध, समझौता योग्य अपराध, प्ली बारगेनिंग मामले तथा अन्य उपयुक्त आपराधिक मामलों का राजीनामा द्वारा निराकरण किया जाएगा। जेल लोक अदालत के सफल आयोजन एवं न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्तियों और तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों पर नियंत्रण तथा समन्वय के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा श्री रईस

जेल लोक अदालत की जागरूकता के लिए शिविर का आयोजन

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल के आदेशानुसार जेल लोक अदालत की जानकारी एवं इसके लाभ उठाने के लिए विचाराधीन बंदियों को जागरूक करने के लिए 11 अप्रैल 2026 को जिला जेल बैतूल में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सोमनाथ राय एवं चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसल श्री श्याम किशोर शुक्ला द्वारा प्ली बारगेनिंग प्रक्रिया एवं अन्य कानूनी धाराओं की जानकारी दी। डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसल श्री एजाज खान एवं श्री राकेश कुमार राकसे द्वारा बंदियों से उनके प्रकरणों में चर्चा की। असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसल श्री सुनिल कुमार मोरे, श्री मंगल एवं श्री रघुवेंद्र रघुवंशी द्वारा जेल सुची की स्कूटीनी कर बंदियों को चिन्हित करने का कार्य किया गया। उन्होंने अपील है कि ऐसे व्यक्ति जिनके परिवार के सदस्य जिला जेल बैतूल अथवा उपजेल मुलताई में निरुद्ध है और उनका अपराध उक्त श्रेणी में आता है और जो जेल लोक अदालत में अपने प्रकरणों में राजीनामा कराने के इच्छुक है। वह अपने अधिवक्ता, अथवा कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय बैतूल के साथ-साथ सिविल न्यायालय आमला, भैसदेही तथा मुलताई में संपर्क कर सकते हैं।

खान विशेष न्यायाधीश बैतूल को नोडल अधिकारी बनाया गया है। नोडल अधिकारी द्वारा 10 अप्रैल को समस्त डिफेंस काउंसल की बैठक ली गई। प्ली बारगेनिंग प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें अपराध का अभियुक्त यदि अपराध स्वीकार कर लेता है तो उसे सजा में रियायत मिल जाती है और प्रकरण का निराकरण हो जाता है, किन्तु इसके अंतर्गत 7 वर्ष या उससे अधिक अवधि की सजा और महिलाओं से संबंधित अपराध शामिल नहीं है।

शादी के कार्ड बांटने निकली युवती की मौत बैतूल में स्कूटी को ट्रेक्टर ने मारी टक्कर, 12 मई को थी शादी

बैतूल, (निप्र)। बैतूल में अपनी शादी के कार्ड बांटने निकली युवती की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। शाहपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह शाहपुर बायपास पर ट्रेक्टर ने स्कूटी सवार युवती को टक्कर मार दी।

युवती का नाम उषा उर्फ हीरा उर्दके (30 वर्ष) है वह गुरुदास गांव की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार, वह मुलताई से लौट रही थी और अपनी शादी के कार्ड बांट रही थी। उसकी शादी 12 मई को तय थी।

टक्कर मारने के बाद ट्रेक्टर चालक फरार

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाहपुर बायपास पर हड़बड़े से निकल रहे एक ट्रेक्टर ने कट पॉइंट पर स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रेक्टर चालक मौके से फरार हो गया। हीरा उर्दके लोक सुविधा फाउंडेशन में कार्यरत थी और टीवीएस शोरोम से भी जुड़ी हुई थी। शोरोम संचालक किन्दो सुनार ने बताया कि



हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

चार बहनों में सबसे बड़ी थी हीरा

उसका विवाह देवझिरी प्रभात पट्टन के दिनेश धुर्वे से होने वाला था। वह चार बहनों में सबसे बड़ी थी। अचानक हुए इस हादसे से परिवार में मातम छा गया है। पुलिस ने मामले की पुष्टि की है और फरार ट्रेक्टर चालक की तलाश के साथ ही पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।



अमृत 2.0 की खुदाई में फूटी पुरानी पाइपलाइन

नर्मदापुरम में हजारों लीटर पानी बहा

नर्मदापुरम, (निप्र)। नर्मदापुरम में हरियाली चौक अनाज मंडी गेट के सामने शनिवार-रविवार रात 1 बजे अमृत 2.0 की नई पाइपलाइन बिछाने के दौरान जेसीबी का पंजा लगने से पुरानी पेयजल लाइन फूट गई। इस लापरवाही के कारण हजारों लीटर पानी सड़क पर व्यर्थ बह गया और रविवार सुबह शांतिनगर समेत कुछ कॉलोनियों में पेयजल सप्लाई प्रभावित रही। वर्तमान में सुबह से ठेकेदार द्वारा फूटी हुई पाइपलाइन का सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है।

टंकी भरने के बाद बंद की लाइन, ताकि रसूलिया में न रुके सप्लाई : नगर पालिका इंजीनियर आयुषी रिछारिया के अनुसार, जो पाइपलाइन फूटी है, उससे पानी फिल्टर प्लांट से रसूलिया की टंकीयों में जाता है। रात में जेसीबी का पंजा लगने से लाइन में छेद हो गया था। उस वक्त रसूलिया क्षेत्र की

टंकी भरी जा रही थी। अगर उसी समय लाइन बंद कर देते तो सुबह रसूलिया क्षेत्र में पेयजल सप्लाई प्रभावित हो जाती। इसलिए रात में टंकी भरने के बाद ही लाइन को बंद किया गया।

3 साल से चल रहा काम, शांतिनगर में 10:15 बजे तक नहीं आया पानी : शहर में अमृत 2.0 योजना के तहत इंटरकनेक्ट से फिल्टर प्लांट तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य पिछले 3 साल से जारी है।

दतिया में दंगल में विजेता घोषित करने पर विवाद

दतिया, (निप्र)। दतिया में इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पचोखरा में शनिवार को आयोजित दंगल उस समय हंगामे में बदल गया। जब विजेता को लेकर पहलवान और मैच रेफरी के बीच विवाद हो गया। मामली कहासुनी ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया और पहलवानों के समर्थकों के बीच जमकर लात-धूसे चलने लगे। जिससे मौके पर अफरा-तफरी और भगदड़ की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मुकाबला खत्म होने के बाद विजेता घोषित करने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हुआ। रेफरी के फैसले से असंतुष्ट एक पक्ष ने आपत्ति जताई। जिस पर बहस बढ़ती गई और फिर मारपीट शुरू हो गई। कुछ ही देर में समर्थक भी इसमें कूद पड़े।

दीक्षांत समारोह में 170 नव चिकित्सकों को डिग्री प्रदान, प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने सेवा भाव का दिया संदेश

जितनी विनम्रता और संवेदनशीलता डॉक्टरों के व्यवहार में होगी, उतनी ही गहरी छाप मरीजों के मन-मस्तिष्क पर पड़ेगी - प्रभारी मंत्री पटेल



विदिशा, (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने आज अटल बिहारी वाजपेई शासकीय मेडिकल कॉलेज में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2020 बैच के पात्र स्नातक डॉक्टरों को डिग्री प्रदान की। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में उत्साह और गौरव का माहौल देखने को मिला, जहां नव चिकित्सकों के साथ उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यह दिन न केवल नव डिग्रीधारी डॉक्टरों के लिए ही नहीं बल्कि उनके अभिभावकों के लिए भी अत्यंत विशेष है। उन्होंने कहा कि वर्षों की मेहनत और समर्पण के बाद आज इन विद्यार्थियों ने अपने और अपने

परिवार के सपनों को साकार किया है। उन्होंने नव चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे सेवा भाव को सर्वोपरि रखते हुए जीवनभर मरीजों को निष्ठा से सेवा करें। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जितनी विनम्रता और संवेदनशीलता डॉक्टरों के व्यवहार में होगी, उतनी ही गहरी छाप मरीजों के मन-मस्तिष्क पर पड़ेगी, क्योंकि शारीरिक कष्ट में हर व्यक्ति सबसे अधिक चिकित्सक के पास ही पहुंचता है। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मनीष निगम ने संस्थान की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 2020-21 बैच के कुल 170 विद्यार्थियों को आज डिग्री

प्रदान की जा रही है। उन्होंने कॉलेज में किए जा रहे नवाचारों और चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे निरंतर विकास की जानकारी भी साझा की। समारोह से पूर्व प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने मेडिकल कॉलेज के विभिन्न वाडों का भ्रमण भी किया। उन्होंने उन विशेष वाडों का निरीक्षण किया, जहां नवाचारों के कारण कॉलेज की विशिष्ट पहचान बनी हुई है। इस दौरान डीन द्वारा उन्हें विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं और नवाचारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी, मेडिकल कॉलेज के एमएस व विभिन्न विभागों के एचओडी, चिकित्सकगण, नव डिग्रीधारी डॉक्टर एवं उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खेत में कटी गेहूं फसल में लगी आग, हैंडपंप से पानी भर डालते रहे लोग

बैतूल, (निप्र)। न्यू बैतूल ग्राउंड से सटे एक खेत में काटकर रखी गेहूं फसल में शनिवार दोपहर में अचानक आग भड़क गई। आग इतनी भीषण थी कि आसपास मोती वार्ड के रहवासियों के घरों में धुआं भरने लगा वे दहशत में आ गए और तुरंत बाल्टियां लेकर चैन बनाकर पानी भरकर जलते खेत की आग बुझा लगे। दो फायर ब्रिगेड का 7 हजार लीटर पानी डालकर आग को बुझाया गया। सीएमओ को तुरंत लोगों ने सूचना दी तो नगरपालिका की पहली फायर ब्रिगेड यहां पहुंची। वहीं इस फायर ब्रिगेड के चालक ने जब आग की गंभीरता बताई तो दूसरी फायर ब्रिगेड भी इसके पांच मिनट बाद पहुंच गई। इस बीच लोगों की एकजुटता और सहयोग भी देखते ही बना। लोगों ने भी बाल्टियों की एक चैन बनाकर कतार से लगकर घरों और हैंडपंपों का पानी खेतों में फेंका। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्गों ने भी नगर पालिका अमले का कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया। नपा की फायर ब्रिगेड खेत के बीच में जाना चाहती थी लेकिन फेंसिंग ने रास्ते रोक लिए। इस फेंसिंग के कारण फायर अमले को प्रेशर बढ़ाकर खेत के बीच तक पानी पहुंचाना पड़ा। दोनों ओर से पानी पंप करके फेंकना पड़ा। न्यू बैतूल ग्राउंड से सटे अवस्थी परिवार के एक खेत में आग लगी थी। फसल की इस आग को बुझाने तकाल फायर ब्रिगेड भेज दी गई थी। आग पर काबू पालिया गया था। लोग खुद आग बुझाने प्रयास कर रहे थे, यह तो अधिकांश जगह होता ही है लोगों का सहयोग जरूरी होता है।

द नवनवीत पांडे, - सीएमओ, नगर पालिका

जिला स्तरीय लोक सेवक समस्या निवारण शिविर आयोजित, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने स्वयं सुनी समस्याएं



विदिशा, (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय लोक सेवक समस्या निवारण शिविर का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डिप्ट) विदिशा में किया गया। शिविर में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त लोक सेवकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु विशेष व्यवस्था की गई थी। शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों एवं पेंशनरों

की लंबित समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया गया है। उक्त शिविर में कार्यरत शिक्षक, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित हुए और उन्होंने अपनी-अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने स्वयं शिविर में उपस्थित होकर

आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उनकी मौजूदगी से कर्मचारियों में विश्वास एवं संतोष का वातावरण देखने को मिला। शिविर में वेतन विसंगति, पेंशन प्रकरण, सेवा पुस्तिका सुधार, लंबित एरियर भुगतान, पदोन्नति, अवकाश स्वीकृति एवं अन्य प्रशासनिक विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपस्थित अधिकारियों द्वारा कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि जटिल मामलों के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित शाखाओं को निर्देशित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारियों ने आश्चर्य किया कि सभी प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। शिविर के आयोजन से कर्मचारियों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखा गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनीडिया समेत विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



ग्रामवासियों ने लिया जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प

सीहोर, (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सीहोर जिले के ग्राम विद्यान स्थित देवबड़ला देव स्थान पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नारा शांति लाल हुए। इस अवसर उन्होंने ग्रामवासियों के साथ नेवज नदी के उद्गम स्थल पर पूजन किया और जीवनदायिनी नदियों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर उन्होंने नेवज नदी के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेवज नदी (निर्विंध्या) का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। यह क्षेत्र की कृषि और सभ्यता की

रीढ़ रही है। उन्होंने कहा कि नदियाँ केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की जन्मनी हैं। देवबड़ला देव स्थान पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नारा शांति लाल हुए। इस अवसर उन्होंने ग्रामवासियों के साथ नेवज नदी के उद्गम स्थल पर पूजन किया और जीवनदायिनी नदियों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर उन्होंने नेवज नदी के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेवज नदी (निर्विंध्या) का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। यह क्षेत्र की कृषि और सभ्यता की

सिविल सर्जन डॉ. घोरे ने जिला अस्पताल की रसोई का किया निरीक्षण

बैतूल, (निप्र)। सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने शनिवार को जिला अस्पताल की रसोई का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों को वितरित किए जाने वाले भोजन और व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सुपरवाइजर को निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार भोजन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. घोरे ने भोजन का स्वाद भी चखा, जो संतोषजनक पाया गया। दलिया और सब्जी की गुणवत्ता उपयुक्त पाई गई, वहीं दाल के पतला होने पर उसे गाढ़ा बनाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा दूध के पतला पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित टेका कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा।



बंगाल चुनाव से दूर ही रहेंगे इंदोरियां

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव हो और प्रदेश के कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की जिम्मेदारी न हो, ऐसा संभव नहीं। हालांकि मंत्री ने मालवा में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि पार्टी ने उन्हें बंगाल चुनाव से दूर रहने का हिदायत दी है। इसकी वजह, उन्होंने उन पर तीन दर्जन से अधिक फर्जी पुलिस केस बंगाल की ममता सरकार द्वारा दर्ज करवाया बताया है। मंत्री का कथन तो जांच का विषय है,



मोहन का मंत्रालय आशीष चौधरी

लेकिन बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की मंत्री से खुन्नस जरूर है। पिछले विधानसभा चुनाव के वक्त ममता बनर्जी अपनी सभाओं में कह चुकी है कि पश्चिम बंगाल में इंदौर का एक भाजपाई (जिसे सुबह सवरे लिख नहीं सकता), आया है जिसे मैं, चुनाव बाद देख लूंगी। बाद में ममता सरकार ने मंत्री पर एक महिला के जरिए पुलिस केस भी कायम कराया, लेकिन कोर्ट ने मंशा पूरी नहीं होने दी। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में बंगाल के प्रभारी के तौर पर विजयवर्गीय ने ममता की पार्टी को चुटनों पर ला दिया था। अब इन हालातों के बावजूद भी कद्दावर मंत्री ने बंगाल में पार्टी की ओर से चुनावी इश्यूटी का आग्रह किया था जिसे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने खुफिया जांच एजेंसी की रिपोर्ट के बाद नकार दिया। जांच एजेंसी ने मंत्री पर चुनाव के दौरान उनके काफिले पर खतरनाक हमला होने की आशंका व्यक्त की थी। जिसके बाद पार्टी ने सतर्कता बतौर विजयवर्गीय को बंगाल जाने से मना कर दिया।

शिवराज का महोत्सव

रायसेन जिले में बीते दिवस संपन्न किसान महोत्सव से राज्य सरकार कुछ नेताओं और विपक्ष दोनों के पेट में दर्द तेज उठ आया। महोत्सव तो काफी हद तक सफल कहा जा रहा है। महोत्सव के उद्घाटन से लेकर समापन तक में किसानों ने काफी रूचि दिखाई और उस पर केंद्रीय मंत्रियों राजनाथ सिंह व नितिन गडकरी की मौजूदगी ने महोत्सव की रौनक बढ़ा दी। देशभर से आए प्रतिनिधियों के 300 से अधिक स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे, पर भाजपा के कुछ प्रदेश स्तरीय नेताओं को महोत्सव के समय और सफलता पर बहजमी हो रही है। नेताओं का कहना है कि महोत्सव वन मैन शो की तरह रहा और किसान, महोत्सव में शामिल हो कि अपनी उपज मंडी में बेचने जाए? ऐसे में नेताओं ने महोत्सव को पूरी तरह से राजनीतिक नजरिए से देखा और इसे प्रदेश में 'पांव' और मजबूत करने वाला आयोजन बताया।

ड्रैगन पर उमड़ा प्यार

कल तक जो महाशय सुबह की शाखा में 'स्वदेशी' का संकल्प दिलाते थे और विदेशी सामान देखते ही जिनका खून खौलता था, आजकल उनकी जुबान पर 'चाऊमीन' का स्वाद और चीन का गुणगान है। दरअसल, संघ के एक अनुष्ठांगिक संगठन के ये दिग्गज 'ड्रैगन' के न्योते पर चीन की सैर क्या कर आए, उनका तो हृदय परिवर्तन ही हो गया। भेजा तो गया था यह सोचकर कि वहां जाकर स्वदेशी का झंडा गाड़ेंगे, लेकिन लौटकर आए हैं तो 'चीनी मांडल' के ऐसे मुद्दे हुए हैं कि अब संघ के गलियारों में 'जय-जय चाइना' के ही चर्चे हैं। आलोचक चटकारे लेकर कह रहे हैं कि स्वदेशी का चोला उतारकर शायद अब महाशय 'मेड इन चाइना' वाला तिलक लगाने की तैयारी में हैं।

रायसेन के कृषि महोत्सव में केंद्रीय मंत्री गडकरी बोले

किसान की समृद्धि से ही गांव का विकास

रायसेन (नप्र)। रायसेन के दशहरा मैदान में 11 अप्रैल से चल रहे 3 दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव का सोमवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान रायसेन पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर मंच से गडकरी ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है, मैं यहां मंत्री के रूप में नहीं आया हूं। मैं किसान के रूप में आया हूं, क्योंकि मैं खेती को देखता हूं, इसका प्रयोग करता हूं।

उन्होंने कहा गांव का विकास तभी होगा जब गांवों के किसानों के हाथों में पैसा होगा। हमारी सरकार ने किसानों के लिए अच्छे-अच्छे योजनाएं बनाईं। मोदी के नेतृत्व में गांव, गरीब मजदूर किसानों का कल्याण करना है तभी समृद्ध भारत बनेगा। कृषि महोत्सव में पहुंचे से पहले गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की।

गडकरी ने की एनएच परियोजनाओं की समीक्षा- दूसरी ओर, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी दोपहर 1 बजे भोपाल से प्रस्थान कर रायसेन के दशहरा मैदान पहुंचे। उन्होंने यहां सबसे पहले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं की समीक्षा की। इसके बाद वे उन्नत कृषि महोत्सव प्रदर्शनों सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे।



इस दौरान उनके साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी विशेष रूप से मौजूद रहे और दोनों मंत्रियों ने पहुंचते ही प्रदर्शनों का अवलोकन किया।

इधर, जीतू को पुलिस ने रायसेन पहुंचने से रोकना- कार्यक्रम स्थल पर किसानों की समस्याएं बताते जा रहे पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को पुलिस ने भोपाल के आनंद नगर में बैरिकेडिंग कर रोक लिया, जिसके बाद पुलिसकर्मियों से बहस कर वे अपने काफिले के साथ वापस लौट गए। पटवारी ने सरकार पर विपक्ष से घबराने का आरोप लगाते हुए कहा है कि मंडियों में किसान 2 हजार रुपए से भी कम में गेहूँ बेचने को मजबूर है और कांग्रेस लगातार इस मुद्दे को उठाती रहेगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 स्वीकृति के लिए प्रस्तुत होना ऐतिहासिक पहल: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महिला सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक होगा यह सप्ताह

● प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्री ने, अन्नदाताओं को खाद पर सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए माना आभार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह सप्ताह महिला सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक होगा। संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र 16 अप्रैल को आरंभ हो रहा है, जिसमें महिला आरक्षण के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हमारे देश की नारी शक्ति को लोकसभा और विधानसभा में 33वें स्थान मिलना चाहिए। राज्य सरकार भी 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक 'नारी शक्ति वंदन' पखवाड़ा मना रही है। पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर नारी शक्ति वंदन सम्मेलन होंगे, इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर नारी शक्ति पदयात्रा भी निकल जाएगी। प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में इस दौरान नारी शक्ति वंदन से संबंधित कार्यक्रम वृहद स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2026 को समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश की थीम के साथ पूरे प्रदेश में कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस क्रम में 8 अप्रैल को जबलपुर में आयोजित कृषि मंथन कार्यशाला में देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिक, कृषि उत्पादक और एफपीओ शामिल हुए। कार्यशाला में देश के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों के साथ कृषि को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित करने, खेत से कारखाने तक उत्पादों की पहुंच सुगम बनाने, क्रम पानी में उत्पादन की फसल बढ़ाने और कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यशाला में सहभागी किसानों को कई उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। कार्यशाला के निष्कर्ष किसानों को उनकी आमदनी



बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों एवं कीमतों के रुझानों के बावजूद केन्द्र सरकार किसानों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसके लिये प्रधानमंत्री श्री मोदी का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्नदाताओं को खाद पर सब्सिडी के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार मानते हुए कहा कि केन्द्रीय मंत्री मण्डल ने 8 अप्रैल 2026 को फास्फेट एवं पोटेशियम उर्वरकों जैसे न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी को मंजूरी दी है। केन्द्रीय मंत्री मण्डल द्वारा खरीफ सीजन 2026 के लिये फास्फेट एवं पोटेशियम उर्वरकों पर पोषण तत्व आधारित सब्सिडी के लिये 41 हजार 833 करोड़ रुपए की बजटीय व्यवस्था की स्वीकृति दी, जो विगत वर्ष से 4,317 करोड़ रुपये अधिक है। खरीफ सीजन 2026 में इससे किसान प्रत्यक्ष रूप से

लाभान्वित होंगे। केन्द्र सरकार उर्वरक निर्माताओं/आयातकों के माध्यम से किसानों को रियायती दरों पर डीएपी सहित 28 श्रेणियों के फास्फेट और पोटेशियम उर्वरक उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रायसेन में 11 अप्रैल से आरंभ तीन दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव का केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में उन्नत बीज, सिंचाई तकनीक, कृषि यंत्र, प्राकृतिक खेती, कम्प्यूटरी एवं इंटीग्रेटेड फार्मिंग एवं कृषि एवं बागवानी से संबंधित नई तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। लगभग 350 से अधिक स्टॉल लगाये गये हैं और खेती से जुड़े अलग-अलग विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किये गये हैं। इनमें विभिन्न कृषि वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ एफपीओ तथा

किसान बंधु भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नक्सल उन्मूलन के बाद बालाघाट में अब विकास की गंगा बहेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में नक्सल गतिविधियों का उन्मूलन हो गया है। अब प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से विकास किया जायेगा। आगामी माह बालाघाट में जनजातीय महोत्सव का आयोजन होगा। इसमें सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के साथ-साथ विकास से जुड़े हुये सभी विभाग स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। धरती आबा अभियान में हितग्राहियों को लाभान्वित करने और मेगा स्वास्थ्य शिविर तथा सिक्ल सेल स्त्रीनिंग का कार्य भी किया जायेगा साथ ही विभिन्न पारम्परिक व्यंजनों के स्टॉल भी लगाये जाएंगे।

गुना में कार-ट्रैक्टर और दो बाइकों की भिड़त में पति-पत्नी की मौत

ओवरटेक के चक्कर में उजड़ गया परिवार



गुना (नप्र)। जिले के कुंभराज-मोहनपुर मार्ग पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें एक कार, ट्रैक्टर और दो बाइकों के बीच हुई जबरदस्त भिड़त में पति-पत्नी की जान चली गई। हादसे के दौरान मौके पर चोख-पुकार मच गई। इस दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जबकि एक 4 वर्षीय बालक को मामूली चोटें आई हैं।

ओवरटेक के प्रयास में हुई टक्कर- हादसा सुबह करीब 10 बजे सिंगल रोड पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक कार चालक आगे चल रहे ट्रैक्टर को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान मोड़ पर ट्रैक्टर-ट्रैली के लहराने से कार उससे टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का टायर फट गया और वह अनियंत्रित हो गई। इसी बीच सामने से आ रही दो मोटर साइकिलें भी इस दुर्घटना की चपेट में आकर ट्रैक्टर और कार से जा भिड़ीं।

बुजुर्ग दंपति ने मौके पर तोड़ा दम

दुर्घटना में एक बाइक पर सवार बड़ौदा गांव निवासी कैलाश सिंह (58) और उनकी पत्नी बदी बाई (55) की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर उनके साथ उनका 4 साल का नाती आशीष भी सवार था। गनीमत रही कि मासूम को गंभीर चोटें नहीं आईं और प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार एक अन्य युवक को गंभीर चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद गुना जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

थाना प्रभारी,पंकज त्यागी, कुंभराज ने बताया प्रथम दृष्टया यह मामला तेज रफतार और सिंगल रोड पर चलत तरीके से ओवरटेकिंग का लग रहा है। कार चालक के बयान लिए जा रहे हैं और वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। दौषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

'हम भी कभी साहब थे'

82 साल के रिटायर्ड डीएसपी और पत्नी को पन्ना पुलिस ने बनाया

क्रिमिनल, भड़के पूर्व अफसर

पन्ना (नप्र)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पुलिसिंग के मानवीय चेहरे पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। यहां 82 वर्षीय सेवानिवृत्त डीएसपी भरत सिंह चौहान और उनकी बुजुर्ग पत्नी के साथ मदला पुलिस द्वारा कथित दुर्व्यवहार और फिर उन

तूल पकड़ लिया है। सीट बेल्ट से शुरू हुआ विवाद- रिटायर्ड राजपत्रित पुलिस अधिकारी संघ के सचिव गिरीश सूबेदार के अनुसार, घटना दो दिन पहले की है जब पूर्व डीएसपी चौहान अपनी पत्नी के साथ पन्ना से ग्वालियर जा रहे थे। रास्ते में मदला थाने के

कि उनके साथ अपराधियों जैसा बर्ताव किया गया और दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक उन्हें थाने में बिठाकर रखा गया। 'बॉडी कैम' वीडियो करेगा फैसला- मामला गर्म होते देख पन्ना की पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का हक है, लेकिन पुलिस के पास इस पूरी घटना की रिकॉर्डिंग है। इश्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों के बॉडी-वियर कैमरे में सब कुछ कैद है और जनता वीडियो देखकर खुद आकलन कर सकती है कि गलती किसकी थी।

गिरीश सूबेदार, सचिव, सेवानिवृत्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी संघ ने कहा एक वरिष्ठ अधिकारी जिन्होंने अपनी पूरी उम्र विभाग को दी, उनके और उनकी पत्नी के साथ महज एक ट्रैफिक विवाद में ऐसा सलुक निंदनीय है। हम इस अपमान के खिलाफ चुप नहीं बैठेंगे।

पुलिसकर्मियों ने गाड़ी रोकी। विवाद महज सीट बेल्ट न पहनने को लेकर शुरू हुआ था, लेकिन बात इतनी बढ़ी कि पुलिस ने बुजुर्ग दंपति को हिरासत में ले लिया। आरोप है

तयों भड़के पूर्व पुलिस अफसर?

पूर्व अधिकारियों का कहना है कि एक 82 साल के बुजुर्ग और उनकी पत्नी पर आर्म एक्ट जैसी धाराएं लगाना पुलिस की अति को दर्शाता है। क्या एक पूर्व राजपत्रित अधिकारी के साथ सड़क पर ऐसा व्यवहार किया जाना चाहिए? इसी सवाल को लेकर सोमवार को प्रदेशभर के लगभग तीन दर्जन सेवानिवृत्त अधिकारी इंदौर में ज्ञान सौपकर डीजीपी से पन्ना पुलिस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे।



पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध: खाद्य मंत्री 2904 स्थानों पर हुई जांच, 4369 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्त संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2904 स्थानों पर जांच की गई, 4369 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 751 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति निबंधक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70 प्रतिशत सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर

रसोई गैस की स्थिति

रसोई गैस का प्रदेश के बॉटलिंग प्लांटों में घरेलू एवं कॉमर्शियल एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के विरुद्ध एलपीजी सिलेण्डर का प्रदाय निरंतर रूप से किया जा रहा है। साथ ही कॉमर्शियल उपभोक्ताओं को शासन द्वारा तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार आवंटन प्रतिशत के आधार पर कमर्शियल गैस सिलेण्डरों की सप्लाई सतत रूप से की जा रही है। घरेलू एवं कॉमर्शियल की सप्लाई में किसी प्रकार का अवरोध नहीं है। घरेलू एवं कॉमर्शियल सिलेण्डर की सप्लाई एवं वितरण सामान्य है।

पीएनजी गैस

सीजीडी संस्थाओं तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ प्रतिदिन समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शर्मा द्वारा विशेष अभियान चलाकर जिन घरों में पाइपलाइन की अधोसंरचना उपलब्ध है, एवं सप्लाई प्राप्त नहीं कर रहे हैं, ऐसे 1.5 लाख घरों को आगामी 03 माह में पीएनजी से कनवर्ट करने के लिये निर्देशित किया गया।

कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कमर्शियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक काम कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में स्थित बॉटलिंग प्लांट तथा कितारकों के पास उपलब्धता एवं प्रदाय की सतत रूप से समीक्षा की जा रही है।

पटवारी की पाठशाला में होगा 'रिजल्ट' का हिसाब

कांग्रेस के फिसड्डी जिला अध्यक्षों की छुट्टी की तैयारी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस अब मजबूत संगठन के कागजी दावों से बाहर निकलकर जमीनी हकीकत का सामना करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के एक साल पूरे होने पर उनके कामकाज के पोस्टमार्टम की तैयारी कर ली है। 15 से 18 अप्रैल तक चलने वाली इस मैराथन बैठक में उन चेहरों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, जो पिछले एक साल में केवल सोशल मीडिया पर ही सक्रिय रहे।

रवींद्र भवन में ब्लॉक अध्यक्षों की वक्त्यास- इस अभियान का सबसे अहम हिस्सा 17 अप्रैल को भोपाल के रवींद्र भवन में होने वाला ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मेलन है। पहली बार कांग्रेस जिला अध्यक्षों से आगे बढ़कर सीधे ब्लॉक स्तर के सेनापतियों से संवाद करेगी। इस बैठक में सांसद, विधायक और जिला प्रभारियों की मौजूदगी में आगामी चुनावों की रणनीति तय होगी।

